दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-5 अंक-135, भोपाल मंगलवार 29 मार्च 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"सौ वर्ष कायर की तरह जीने से अच्छा है एक वर्ष चीते की तरह जीना।" - मैडोना

बीरभूम हिंसा पर बंगाल विधानसभा में बवाल

भाजपा -टीएमसी विधायकों के बीच सदन में मारपीट घायल टीएमसी विधायक अस्पताल में भर्ती

कोलकत्ता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में सोमवार को बीजेपी और टीएमसी विधायकों के बीच जोरदार झड़प हुई। बीजेपी विधायक बीरभूम हिंसा मामले पर बहस की मांग कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के विधायकों के बीच मारपीट हो गई और विधायकों ने एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने शुरू कर दिए।

पांच भाजपा विधायक निलंबित

विधानसभा में हुए हंगामे के दौरान टीएमसी विधायक असित मजूमदार घायल हो गए। उन्हें कोलकाता के पीजी अस्पताल के वुडवर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है। सुवेंदु अधिकारी सहित 5 भाजपा विधायकों को अगली सूचना तक विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है।

वहीं दूसरी ओर लोकसभा में भी सोमवार को पश्चिम बंगाल की विधानसभा में हुई हिंसा के बाद हंगामा हुआ। इसके चलते सदन को दो बजे तक स्थगित कर दिया गया है।

बीजेपी ने टीएमसी पर लगाए गंभीर आरोप

बंगाल विधानसभा में हुए बवाल की जानकारी मिलने पर सीएम ममता बनर्जी ने राज्य के शहरी विकास मामलों के मंत्री फिरहाद हकीम को फोन किया। सीएम ने इस पूरी घटना पर चिंता जताई। वहीं, बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला और अन्य महिला विधायकों ने विधानसभा के सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर बीजेपी विधायकों पर हमला किया।

सदन की गरिमा का ख्याल नहीं: स्पीकर

बंगाल विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा, सदन में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को सदन की गरिमा का ख्याल नहीं है। वे विधानसभा के महत्व को नहीं समझते हैं और उनका मकसद केवल विधानसभा में हंगामा करना है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने 22 लोगों को आरोपी बनाया है। साथ ही रविवार को टीएमसी के ब्लॉक अध्यक्ष अनारुल हुसैन से पूछताछ की थी। सीबीआई टीम आज दोपहर बीरभूम हिंसा के आरोपियों को जांच के लिए सीबीआई कैंप ले गई है। बंगाल सीएम ममता बनर्जी का कहना है कि इस हिंसा में टीएमसी की कोई भूमिका नहीं है, इसके पीछे किसी की साजिश है।

बिहार में बम ब्लास्ट, तीन बच्चे समेत सात गंभीर

लखीसराय। बिहार के लखीसराय में बम धमाका हुआ है। इसमें 3 बच्चे समेत 7 लोग जख्मी हो गए। सभी को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि बम से बच्चे खेल रहे थे, तभी पहले एक बम फटा, फिर चंद पल में दो और बम धमाके हुए। वहां मौजूद 7 लोग इसकी चपेट में आ गए। उनकी हालत गंभीर है। इसमें तीन बच्चे, एक लड़की, दो महिला और एक पुरुष शामिल हैं। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि 10 मीटर दूर ईंट की दीवार भी ढह गई। धरती के कंपन से इलाके में सनसनी फैल गई।

आनन-फानन में सभी को लखीसराय सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। एक बच्चे (सोनू कुमार) और महिला (सुंदरी देवी) की हालत गंभीर है। पूरा मामला पिपरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत वलिपुर गांव का है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही एसपी और एसडीपीओ दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए।

एसपी सुशील कुमार ने बताया कि रस्सी से बांधा गया देसी बम था। जानकारी मिली है कि वलीपुर गांव के शंकर रजक के नव निर्माणाधीन मकान में तीन बम एक झोले में ईंट के नीचे रखे हुए थे। सोमवार करीब सुबह 10 बजे बच्चे खेलते-खेलते वहां पहुंचे और झोले को उठा लिया। बम निकालकर उससे खेलने लगे कि अचानक धमाका हुआ। स्कने बताया कि बम या किसने और किस उद्देश्य से रखा, इसी पड़ताल की जा रही है।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर लगी भीषण आग

नई दिल्ली, एजेंसी। गर्मियां शुरू होते ही आग लगने की घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर में स्थित लैंडफिल साइट में आग लग गई है। आग लगने से पूरे इलाके में धुआं फैल गया। सूचना के बाद आग पर काबू पाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची।आग को नियंत्रित करने के लिए दमकल के साथ ही निगम की जेसीबी मशीन की भी सहायता ली गई। क्षेत्र में फैले धुएं से आसपास के लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। आग इतनी भीषण है कि इसका धुआं नोएडा के सेक्टर-16 से भी देखा गया।

गौरतलब है कि नवंबर, 2020 में भी गाजीपुर स्थित कूड़े के पहाड़ में भीषण आग लगी थी। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर कूड़े के पहाड़ में आग लगने के बाद कई किलोमीटर तक चारों ओर धुआं फैल गया था। इस दौरान हवा बंद होने की वजह से स्थानीय लोगों के घरों में भी धुआं घुस गया। इसके चलते लोगों ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की थी। आसपास के इलाकों में रहने वाले बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा था।

विधायक सतीश महाना आज संभालेंगे विधानसभा अध्यक्ष कुर्सी, विपक्ष का भी समर्थन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार 1.0 में कैबिनेट मंत्री रहे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश महाना अब विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी संभालेंगे। पूर्व कैबिनेट मंत्री सतीश महाना पंडित हृदय नारायण दीक्षित की जगह लेंगे।

कानपुर के महाराजपुर से लगातार आठवीं बार विधायक चुने गए विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता 62 वर्षीय सतीश महाना का निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र जमा करने की समय सीमा सोमवार दोपहर दो बजे समाप्त हो गई। निर्धारित समय सीमा तक सिर्फ महाना का नामांकन पत्र ही प्रमुख सचिव विधानसभा के कार्यालय में जमा हुआ है। लिहाजा विधानसभा अध्यक्ष पद पर सतीश महाना के निर्वाचन की घोषणा औपचारिकता रह गई है। विधानसभा अध्यक्ष के निर्वाचन की घोषणा मंगलवार दोपहर तीन बजे की जाएगी। माना जा रहा है कि विपक्ष का भी महाना को पूरा समर्थन है। महाना ने सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। विपक्षी दलों ने भी सतीश महाना को समर्थन दिया है। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के साथ उनकी पार्टी के विधायक विनोद कुमार ने भी सतीश महाना का समर्थन किया है।

केरल-बंगाल में दिखा भारत बंद का सबसे ज्यादा असर चेन्नई में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रम कानूनों में बदलाव और केंद्र के निजीकरण के फैसले के विरोध में ट्रेड यूनियनों की दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल (भारत बंद) आज से शुरू हो गई है। इस दौरान बैंकों और कई औद्योगिक क्षेत्रों में इसका खासा असर देखने को मिला। बता दें कि सबसे ज्यादा असर पश्चिम बंगाल और केरल में देखने को मिल रहा है। बंगाल में हड़ताल के मद्देनजर लेफ्ट के सदस्यों ने कोलकाता के जादवपुर रेलवे स्टेशन पर भारी संख्या में इकट्ठा होकर रेलवे ट्रैक को ब्लाक कर दिया है।

वहीं आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में विभिन्न ट्रेड यूनियनों और वामपंथी संगठनों के सदस्यों ने पीएसयू बैंकों के निजीकरण को लेकर सड़कों को जाम किया। चेन्नई में ट्रेड यूनियनों ने आज राष्ट्रव्यापी हड़ताल के चलते सड़कों को जाम कर दिया।

इसके मद्देनज़र विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने जबरदस्ती बसों में बिठाकर हिरासत में लिया। भारत बंद का असर देश की संसद के बाहर भी देखने को मिला। आज संसद की कार्यवाही के बीच वामपंथी और द्रमुक सांसदों ने दो दिवसीय भारत बंद को अपना समर्थन दिया और गांधी प्रतिमा पर विरोध प्रदर्शन किया। दो दिवसीय भारत बंद का असर आज दिल्ली के बैंकों में भी देखने को मिला है। तस्वीरों में बैंक सुनसान दिख रहे हैं, बैंको ने अपने कार्यालय के बाहर बंद के समर्थन में पोस्टर भी लगा रखे हैं जिसके चलते केवल आनलाइन काम हो रहा है। बता दें कि अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के विरोध में आज और कल हड़ताल का आह्वान किया है।

उपचुनाव के लिए छग पहुंच रहे हैं कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी दो दिन तक चुनाव अभियान की समीक्षा करेंगे

रायपुर। राजनांदगांव जिले की खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया भी अपना मोर्चा लगाने आ रहे हैं। पुनिया दो दिन रहकर चुनाव अभियान की समीक्षा करेंगे। खैरागढ़ में 12 अप्रैल को मतदान होना है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बताया, कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी पी.एल. पुनिया 30 मार्च को दोपहर 12.50 बजे लखनऊ से रायपुर पहुंचकर सर्किट हाउस जायेंगे। दोपहर 2.30 बजे राजीव भवन रायपुर में वरिष्ठ कांग्रेसजनों के साथ कांग्रेस सदस्यता अभियान एवं महंगाई मुक्त भारत अभियान की तैयारी की समीक्षा। उसी दिन शाम 4 बजे रायपुर से खैरागढ़ पहुंच जाएंगे। उस शाम 7 बजे वे खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव प्रचार-प्रसार की समीक्षा करेंगे। यह बैठक जमीनी प्रचार पर केंद्रित होगी। इस बैठक में खैरागढ़ के प्रमुख रणनीतिकार और पदाधिकारी शामिल होंगे। 31 मार्च की सुबह 9 बजे से वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ उपचुनाव पर एक और चर्चा होनी है।

महंगाई पर कांग्रेस का अभियान भी

उपचुनाव अभियान के साथ कांग्रेस ने महंगाई मुक्त भारत अभियान भी शुरू कर दिया है। खैरागढ़ में इसके तहत आयोजित कार्यक्रम में भी पुनिया शामिल होने वाले हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग से शामिल होने के बाद वे रायपुर हवाई अड्डा होकर लखनऊ वापस लौटेंगे।

फूड प्रोडक्ट की फैक्ट्री में लगी भीषण आग, करोड़ों की मशीन जलकर राख

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में सोमवार सुबह एक फूड प्रोडक्ट बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। यहां आग लगने से अंदर लगी करोड़ों रुपए की मशीन जलकर राख हो गई हैं। वहीं अंदर काम कर रहे कर्मचारियों ने किसी तरह से वहां से भागकर जान बचाई है। राहत की बात ये रही है कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मगर आग इतनी जबरदस्त थी कि उसके धुएं का गुबार दूर तक दिखा है।

पत्थलगांव के गोढ़ीकला में मनीष फूड प्रोडक्ट के नाम से फैक्ट्री है। यहां नमकीन, मशाला और खाने-पाने के सामान बनाए जाते हैं। रोज की तरह कर्मचारी यहां सोमवार सुबह भी काम कर रहे थे। इस बीच करीब सुबह 4 से 5 बजे के बीच बिल्डिंग के तीसरे माले में आग भड़क गई। इसके बाद आग की लपटें तेज होने लगीं। धीरे- धीरे आग फैलने लगी। इस पर कर्मचारी वहां से भागकर नीचे आए।

घटना के बाद फैक्ट्री प्रबंधन और फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को सूचना दी गई थी। खबर लगते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची थी। जिसके बाद आगे को बुझाने का प्रयास किया गया। दमकलकर्मियों ने करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं फैक्ट्री प्रबंधन ने बताया है कि अंदर करोड़ों रुपए की मशीन लगी थी। जो जल गई हैं। आशंका जाहिर की गई है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से ही फैक्ट्री में आग लगी थी। फिलहाल मामले में जांच जारी है।

अब घर-घर राशन पहुंचाएगी भगवंत मान सरकार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज राज्य के फिर एक बड़ी घोषणा की है। अब राज्य के लोगों को घर बैठे राशन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों को घर-घर राशन पहुंचाएगी। हम पंजाब में 75 साल पुराना सिस्टम बदलेंगे। सरकार के सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान अब तक कई घोषणाएं कर चुके हैं। आम आदमी पार्टी के कन्वीनर और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घोषणा का स्वागत किया है और इसे ऐतिहासिक कदम करार दिया है। पूर्व विधायकों की अलग-अलग पेंशन बंद करने के बाद अब उनकी नई घोषणा को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई थी। सीएम भगवंत मान का कहना है कि उनकी सरकार के 10 दिन के कार्यकाल में 10 बड़ी घोषणाएं की जा चुकी हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में घर-घर राशन योजना चालू हो गया है। मैं पंजाब के लोगों को इसके लिए बहुत खुश हूं। केंद्र सरकार ने इसे दिल्ली में लागू करने से रोका। कोई बात नहीं। इसकी शुरुआत अब पंजाब से करेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राशन , आपके द्वार योजना शुरू की है जिसके जरिए लोगों को अब घर बैठे ही राशन विभाग मुहैया करवाएगा। लोगों को लाइनों में लगकर राशन लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सरकारी कर्मचारियों के लिए तालिबान का फरमान, दाढ़ी के साथ अनिवार्य किया ये ड्रेस कोड

काबुल। अफगानिस्तान में बीते साल अगस्त से काबिज तालिबान एक के बाद एक फरमान जारी करता जा रहा है। अब इसने यहां के सरकारी कर्मचारियों को निशाने पर लिया है। इस क्रम में तालिबान प्रशासन के सार्वजनिक नैतिकता मंत्रालय ने सोमवार को सभी सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया। इसके तहत कार्यालय आने वाले सभी कर्मचारियों की बढ़ी दाढ़ी व ड्रेस कोड की भी जांच की गई। सूत्रों ने बताया कि प्रोपैगेशन आफ वर्च्यू एंड प्रिवेंशन आफ वाइस के लिए मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए निर्देश जारी किया है कि वे अपनी दाढ़ी न हटाएं और न ही स्थानीय कपड़े जिसमें लंबा और ढीला कुर्ता व पजामे के साथ टोपी या इमामा पहनना अनिवार्य किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वर्करों को यह कह दिया गया है कि ड्रेस कोड का पालन नहीं करने पर उन्हें कार्यालयों के परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

युवा भारतीय संस्कृति और संस्कार को आत्मसात करें : गृहमंत्री

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने युवाओं को सलाह दी है कि वे भारतीय संस्कृति और संस्कार को आत्मसात करें। उन्होंने युवाओं को मोबाइल का सीमित उपयोग करने की सलाह दी दी। वह दूसरी राष्ट्रीय पिट्ठू चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।भोपाल में दूसरी राष्ट्रीय पिट्ठू चैंपियनशिप का शुभारंभ गृह एवं जेल मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा ने किया। इस अवसर पर नरोत्तम ने देश भर से आई हुई 22 टीम के खिलाड़ियों से भारतीय संस्कृति और संस्कारों को जीवन में समावेशित करने की अपील की। नरोत्तम ने कहा कि प्रायोजित तरीके से पाश्चात्य संस्कृति को भारतीय लोगों पर थोप दिया गया है। आज हमारे पास मोबाइल व सोशल मीडिया में हजारों दोस्त हैं लेकिन भीड़ में हम अकेले हैं। मोबाइल ने हमें अपनी पहचान और संस्कारों से दूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि मोबाइल की टोन कई बार अर्थ का अनर्थ कर देती है। उन्होंने उदाहरण दिया कि शादी मे विदाई के वक्त यह ट्यून बज जाती है ÷हम आज अपनी मौत का सामान ले चले।÷ उनके यह उदारहण देते ही स्टेडियम में ठहाके लग उठे। नरोत्तम ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बन गया है। यह मोदी जी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि रूस यूक्रेन के युद्ध में पाकिस्तान के लोग भी तिरंगे की आड़ में सकुशल बच कर वापस आ गए। एक समय वह था जब कश्मीर से लोग सुरक्षित नहीं आ पा रहे थे और आज यूक्रेन से सुरक्षित आ रहे हैं। नरोत्तम ने कहा कि पिट्ठू जैसे खेल न केवल हमें भारतीयता से जोड़ते हैं बल्कि शारीरिक रूप से भी मजबूत करते हैं। आपसी प्रेम व भाईचारा बढ़ाने में इन खेलों का बेहद महत्व है। इस मौके पर पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह और पूर्व मंत्री दीपक जोशी भी मौजूद थे। प्रतियोगिता 3 दिन तक चलेगी।

प्रदेश सरकार पूरी तरह कश्मीरी विस्थापितों के साथ है

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है। फिल्म द कश्मीर फाइल्स में कश्मीरियों के दिखाए गए दर्द के बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने ऐलान किया है कि मध्य प्रदेश में रह रहे कश्मीरी पंडित भाई-बहन अगर वापस कश्मीर जाना चाहते हैं तो वह गृह विभाग को सूचित करें।सरकार उनकी वापसी सुनिश्चित कराने के साथ-साथ भेजने की व्यवस्था भी करेगी। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि द कश्मीर फाइल्स फिल्म नहीं देखने की बात कहने वाले कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा जी से निवेदन है कि वह मध्य प्रदेश में रह रहे उन कश्मीरी पंडितों की सूची उपलब्ध करा दें जो वापस जाना चाहते हैं। इस ट्वीट को उन्होंने विवेक तन्खा को भी टैग किया है और हैगटेग द कश्मीर फाइल्स का इस्तेमाल किया है। मीडिया से चर्चा करते हुए हुए गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार पूरी तरह कश्मीरी विस्थापितों के साथ है अगर वह यहां से वापस कश्मीर जाना चाहेंगे तो सरकार उनकी पूरी मदद करेगी । उनको कश्मीर पहुचाने तक कि व्यवस्था की जाएगी वह ओर जो सहायता सरकार से चाहेंगे वो उनको दी जाएगी। इस मामले में राजनीति नही होनी चाहिए। यह मानव सेवा व संवेदनाओं का मामला है इसके लिए सभी को सकारात्मक दृटिकोण रखना चाहिए। बता दे कि हाल ही में विवेक तन्खा ने राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर विनियोग विधेयक 2022 और जम्मू-कश्मीर विनियोग विधेयक (नंबर 2) पर अपनी बात रखी एवं जम्मू-कश्मीर के बेहतरीन विकास और उत्थान के लिए सरकार को सुझाव भी दिये और कहा था कि कश्मीर की हालत दिन प्रति दिन गिरती जा रही है। सरकारी अफ़सर कब तक कश्मीर को चलाएँगे। लोक तांत्रिक सरकार की ज़रूरत है।

न्यूज़ ब्रीफ

रोजगार दिवस कार्यक्रम अब 30 को रीवा में

भोपाल। युवाओं को स्वयं का रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप अब 30 मार्च को रोजगार दिवस कार्यक्रम रीवा जिला मुख्यालय पर आयोजित होगा।पहले यह कार्यक्रम 29 मार्च को होने वाला था। उद्योग आयुक्त एवं सचिव एमएसएमई श्री पी. नरहरि ने बताया कि प्रदेशव्यापी रोजगार दिवस कार्यक्रम मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में 30 मार्च को शाम 4 बजे से रीवा में होगा। एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण न्यूज चेनलों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किया जायेगा एवं इस प्रसारण को जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी दिखाने की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा की जायेगी। सभी जिलों में रोजगार दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। रोजगार दिवस कार्यक्रम के आयोजन में विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं के लाभांवित हितग्राहियों को आमंत्रित कर उन्हें अतिथियों द्वारा स्वीकृति, वितरण पत्र सांकेतिक रूप से प्रदाय किए जाएंगे। शेष अन्य हितग्राहियों को संबंधित बैंक, विभाग 30 मार्च को स्वीकृति वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

एनसीसी सी सर्टिफिकेट परीक्षा संपन्न भोपाल ग्रुप के 2200 कैडेट्स हुए परीक्षा में शामिल

भोपाल। एनसीसी कैडेट्स के पाठ्यक्रम में अंतिम और अहम पड़ाव के रूप में सी सर्टिफिकेट परीक्षा समाप्त हुई। परीक्षा में भोपाल ग्रुप के एनसीसी के तीनों अंगों के लगभग 2200 कैडेट्स ने भाग लिया। इस तरह लिखित परीक्षा के साथ कैडेट्स की 3 साल की यात्रा अपने लक्ष्य को प्राप्त हो गई। भोपाल मे 2 केंद्रों बीएसएस और मैनिट सहित होशंगाबाद तथा विदिशा में परीक्षा हुई। इसके पूर्व 26 मार्च 2022 को प्रेक्टिकल परीक्षा में कैडेट्स की मेप रीडिंग, परेड और बंदूक चलाने आदि के ज्ञान का परीक्षण किया गया था। सी सर्टिफिकेट प्राप्त करने पर कैडेट्स को अनेक लाभ जिसमें फौज में स्पेशल एनसीसी स्कीम के तहत भर्ती, शासकीय नौकरी में अतिरिक्त अंक और वरीयता आदि मिलते है।

आज होगा 5.21 लाख आवास हितग्राहियों के गृह प्रवेश का मंगल कार्य

- » प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कराएंगे हितग्राहियों को गृह-प्रवेश
- » मुख्यमंत्री श्री चौहान छतरपुर से होंगे शामिल
- » हितग्राहियों से होगा वर्चुअल संवाद
- » योजना में 24 लाख 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण

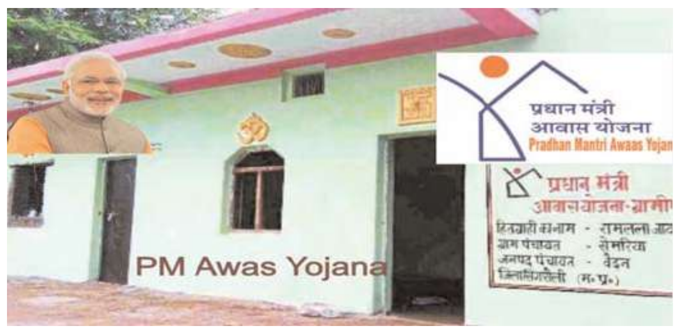

भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 29 मार्च को प्रदेश के 5 लाख 21 हजार हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में गृह-प्रवेश (वर्चुअल) करायेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी गृह प्रवेश करवाने के बाद हितग्राहियों से वर्चुअल संवाद भी करेंगे। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान छतरपुर जिले से शामिल होंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दूरदर्शन, इलेक्ट्रानिक और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर होगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार का संकल्प है कि हर गरीब परिवार का अपना पक्का मकान हो। इस संकल्प की पूर्ति के लिये प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में वर्ष 2024 तक हर व्यक्ति को पक्का आवास उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश में अभी तक इस योजना में 24 लाख 10 हजार से अधिक आवास पूर्ण कराये जा चुके हैं। योजना के विशेष प्रोजेक्ट में बैगा, सहरिया एवं भारिया जनजातियों के स्वीकृत आवासों में से 23 हजार से अधिक आवास पूर्ण कराये जा चुके हैं। सामाजिक, आर्थिक एवं जाति जनगणना-2021 की सर्वे सूची में छूटे हुए पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री आवास दिलवाने के लिये आवास प्लस योजना शुरू की गई है। इसमें प्रदेश में छूटे हुए 31 लाख 36 हजार परिवारों का नाम जोड़ा गया है, जिन्हें भारत सरकार की गाइड-लाइन अनुसार आवास दिये जा सकेंगे।

योजना में अभ्युदय नवाचार के माध्यम से ऐसे ग्राम अथवा ग्राम पंचायतें, जहाँ 100 से अधिक आवास बन रहे हैं, वहाँ विभिन्न योजनाओं को जोड़कर एकीकृत कार्य-योजना बनाई जाती है, जिससे ग्राम एवं ग्रामीणों का सर्वांगीण विकास हो सके। इसमें सामुदायिक और व्यक्तिगत अधोसंरचना निर्माण, सामाजिक सुरक्षा, आजीविका सुदृढ़ीकरण आदि कार्य किये जाते हैं। अभ्युदय नवाचार में पूरे प्रदेश में अभी तक 2731 ग्रामों का चिन्हांकन किया गया है, जिनमें से 1668 ग्रामों के सर्वांगीण विकास की विस्तृत कार्य-योजना बनाई जा चुकी है।

आवास निर्माण में फ्लाई ऐश ब्रिक्स के उपयोग के लिये हितग्राहियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह ईंटें सामान्य ईंट की तुलना में सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण होती हैं। प्रदेश में स्व-सहायता समूहों को भी आवास निर्माण के कार्य से जोड़ा गया है। प्रदेश में 33 स्व-सहायता समूहों के 300 से ज्यादा सदस्य लगभग 60 से 65 हजार फ्लाई ऐश ईंट प्रतिदिन बना रहे हैं। इसके अलावा लगभग 2800 स्व-सहायता समूहों के 11 हजार 840 सदस्यों को बैंकों से ऋण दिलवा कर सेन्टरिंग सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्र के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं का आर्थिक सुदृढ़ीकरण भी हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान की इस योजना में विशेष रूचि होने से प्रदेश में तेजी से कार्य किया जा रहा है, जिसके अच्छे परिणाम भी सामने आये हैं।

बैंक, बीमा, बीएसएनएल वर्कर्स हड़ताल पर

12 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों ने काम बंद किया, नीलम पार्क में धरने पर बैठे

भोपाल

राजधानी भोपाल में सोमवार को बैंक, बीमा, बीएसएनएल, पोस्ट ऑफिस समेत कई विभाग के कर्मचारी हड़ताल पर चले गए इससे कामों पर असर पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर बैंक की 300 ब्रांच पर देखने को मिल रहा है। मंगलवार को भी कर्मचारियों की हड़ताल रहेगी। केंद्र सरकार के विरोध में देशभर के 10 केंद्रीय श्रमिक संगठनों एवं कई स्वतंत्र ट्रेड यूनियन 12 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार और मंगलवारको हड़ताल कर रहे हैं। इनमें बैंक, बीमा, राज्य, केंद्र, बीएसएनएल, आयकर, पोस्ट ऑफिस, कोयला, रक्षा, आशा, उषा, आंगनवाड़ी, मध्याह्न भोजनकर्मी, मेडिकल री-प्रेजेंटेटिव, खेत, खदान, भवन निर्माण एवं अन्य संस्थानों में कार्यरत ट्रेड यूनियन के कर्मचारी शामिल हैं। हड़ताल से सबसे अधिक बैंक प्रभावित है, क्योंकि कर्मचारी इस हड़ताल में शामिल होंगे, जबकि अधिकारियों के संगठनों ने भी हड़ताल को समर्थन दिया है। ऐसे में भले ही बैंक खुल गए हैं, लेकिन कामकाज अटक गया है। एसबीआई के कर्मचारी हड़ताल में शामिल नहीं हुए। इससे वहां कामकाज सामान्य दिनों की तरह चलता रहा। शहर के नीलम पार्क में सुबह 11 बजे से कर्मचारी धरने पर बैठ गए। धरना दोपहर तक चला। इस दौरान बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं भी पहुंची।

सजा के बाद चौतरफा हमलों से घिरे दिग्गी, भाजपा प्रवक्ता ने साधा निशाना

केसवानी बोले अब तो कुछ बोलने को भी बाकि नहीं

भोपाल। एक 11 वर्ष पुराने मारपीट के मामले में विशेष अदालत ने एक साल की सजा पा चुके मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह पर चौतरफा हमलों की बारिश हो गई है। दिग्विजय पर भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने जोरदार हमला बोला है। वहीं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कहा कि अब तो अदालत ने उन्हें सजा दे दी है। इसलिए कुछ कहने को बाकि नहीं रहा है। पूर्व सीएम अपराधी करार दे दिए गए हैं।

डॉ. केसवानी ने पूर्व सीएम पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वे आपराधिक मानसिकता से ग्रसित हैं। कभी आतंकवादियों को जी कहते हैं, जाकिर नाईक को शांति का दूत बताते हैं, तो कभी हिंदू आतंकवाद जैसा शब्द गढ़ते हैं। तो कभी संघ पर ही सवालिया निशान खड़े करते हैं। जहां भी भारत या हिंदू धर्म की बात होती है, दिग्विजय हमेशा ही विपरीत विचारधारा के साथ खड़े दिखते हैं। ऐसे में अदालत द्वारा उन्हें दोषी करार दिया जाना, न्यायोचित है। बकौल आपके आप अहिंसा वादी व्यक्ति हैं पर इस चित्र में आप हिंसा पर उतारू हैं बकौल आपके हिंसक गतिविधियों का आप सदैव विरोध करते हैं पर इस चित्र में आप हिंसा पर उतारू है आपके दौहरे चरित्र को प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-सी.आई.ई.ए. में कृषि मषीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत तकनीकी प्रदर्षन मेले का आयोजन

भोपाल

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा संपूर्ण देश में 28 मार्च से 4 अप्रैल 2022 के दौरान कृषि मशीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत कृषि उपकरणों की उपयोगिता एवं महत्व प्रतिपादित करने हेतु केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (भोपाल) के द्वारा कृषि यंत्रों पर प्रशिक्षण सह तकनीकी प्रदर्शनी मेले का आयोजन आज दिनांक 28 मार्च 2022 को किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के निदेशक डॉ.सी.आर. मेहता ने कृषि यंत्रों के महत्व की चर्चा करते हुए नये-नये कृषि उपकरणों तथा कृषि यंत्रों के उपयोग एवं उत्पादकता वृद्धि, जैविक एवं प्राकृतिक खेती और कृषि व्यवसाय को बढ़ाने पर भी बल दिया। इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि बैरसिया क्षेत्र के विधायक माननीय श्री विष्णु खत्री जी

रहे। श्री विष्णु खत्री जी ने अनुसूचित जाति उप परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थी कृषकों को कृषि यंत्रों का वितरण भी किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. एस.मंगराज, परियोजना अध्यक्ष द्वारा माननीय विधायक महोदय को अनुसूचित जाति उप परियोजना के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया गया।

इस आयोजन के दौरान कृषि यंत्रों की विभिन्न तकनीकों का खेतों में प्रदर्शन कर किसानों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 से अधिक कृषको महिलाओं वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कृषि कार्यों के लिए ड्रोन तकनीक का प्रदर्षन किया गया एवं किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन हेतु उपलब्ध कृषि यंत्रों के बारे में भी जानकारी दी गई। कृषि मशीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत संस्थान में पूर्ण सप्ताह भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. यू.आर. बड़ेगांवकर, प्रभागाध्यक्ष, प्रौद्योगिकी हस्तातंरण द्वारा किया गया। डॉ. दीपक सिंह प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, भोपाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

युवाओं में देशभक्ति के जज्बे को जगाती है खेल भावना- शर्मा

भोपाल

छतरपुर। व्यक्ति का खून दो जगहों पर गर्म होता है। एक तो तब जब वह देश की सीमाओं पर दुश्मन से मुकाबला कर रहा हो और दूसरा तब जब वो खेल के मैदान में हो। खेल हमारे शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाते हैं। हमारे तन और मन को स्वस्थ रखते हैं। जब तन और मन स्वस्थ रहेंगे, तो व्यक्ति देश और समाज के लिए अच्छा काम करेगा। खेल भावना युवाओं को सोच को प्रभावित कर देशभक्ति के जज्बे को जगाती है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने छतरपुर के बमीठा में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कही।

ग्रामीण प्रतियोगिताओं को निखारने के लिए हो रहा आयोजन

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बमीठा में खिलाड़ियों एवं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी की इच्छा है कि गांवों में छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचाना जाए और फिर उन्हें तराशा जाए, निखारा जाए। सांसद खेल महोत्सव इसी उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में खेलों के विकास की मंशा से भारतीय जनता पार्टी की सरकार के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे ने खजुराहो में एक सुंदर स्टेडियम के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। ये स्टेडियम जल्दी ही बनकर तैयार हो जाएगा और हमारे नौजवान तथा खिलाड़ी इसका लाभ ले सकेंगे।

दिग्विजय सिंह राजनीतिक अपराधी हैं

पत्रकारों द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को हुई सजा के संबंध में सवाल किए जाने पर श्री शर्मा ने कहा कि दिग्विजयसिंह आज से नहीं, हमेशा से देश के बारे में, क्रांतिकारियों के बारे में, सेना के बारे में, धर्म के बारे में सवाल खड़े करते रहे हैं। वे देशद्रोही ताकतों के साथ खड़े होने वाले व्यक्ति हैं। मैं उन्हें राजनीतिक अपराधी इसलिए कह रहा हूं कि गुंडों को जो सजा मिलती है, माननीय अदालत ने उन्हें वह सजा दी है। उन्हें ऐसे अपराध में सजा दी गई है, जिसे गुंडागर्दी कहा जाता है। अदालत का यह आदेश देश और प्रदेश की जनता के लिए एक संदेश है कि दिग्विजयसिंह राजनीतिक अपराधी हैं।

मप्र की टीम ने थाईलैंड में गाढ़े झंडे

कैनो पैरा स्प्रिंट चैंपियनशिप में जीते 10 मेडल

भोपाल। थाइलैंड के पटाया में खेली गई एशियन कैनो पैरा स्प्रिंट चैंपियनशिप में इंडियन टीम ने जबरदस्त परफॉर्मेंस किया। टीम ने 3 गोल्ड, 4 सिल्वर समेत 10 मेडल अपने नाम किए। इंडियन टीम ने अक्टूबर 2022 में होने वाले एशियन पैरा गेम्स के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। 10 में से 9 कैटेगरी में टीम ने क्वालीफाई किया। केएल-2 पुरुष कैटेगरी में हम क्वालीफाई नहीं कर सके। खिलाड़ियों ने भोपाल की छोटी झील में ही चैम्पियनशिप के लिए ट्रेनिंग की थी।

टीम के कोच मंयक ठाकुर ने भास्कर से बात की। उन्होंने बताया, 24 मार्च को शुरू हुई चैम्पियनशिप के फाइनल इवेंट 26 मार्च को खेले

गए। टीम 28 मार्च की रात थाइलैंड एयरपोर्ट से निकलेगी। 29 को सभी खिलाड़ी भोपाल पहुंच जाएंगे। उन्होंने बताया कि टीम ने चैम्पियनशिप के लिए शहर की छोटी झील में ही ट्रेनिंग की थी।

इन खिलाड़ियों ने जीते मेडल

- » पूजा ओझा- VL1 और चरु कैटेगरी में गोल्ड
- » प्राची यादव- VL2 कैटेगरी में गोल्ड
- » संगीता राजपूत- VL3 कैटेगरी में सिल्वर
- » राजवीर सिंह- VL2 कैटेगरी में सिल्वर
- » यश कुमार- VL1 कैटेगरी में सिल्वर और चरु कैटेगरी में ब्रॉन्ज
- » निशा रावत- VL2 कैटेगरी में सिल्वर
- » गजेंद्र कुमार- VL2 कैटेगरी में ब्रॉन्ज
- » रजनी झा- KL2 कैटेगरी में ब्रॉन्ज

इंडियन टीम

पूजा ओझा, प्राची यादव, निशा रावत, रजनी झा, संगीता राजपूत, यश कुमार, अवधेश, गजेंद्र सिंह, राजीव सिंह, मनीष कुमार और गिरराज सिंह।

कोच- मयंक ठाकुर

असिस्टेंट कोच- अनिल राठी और लालचंद शा मसाजर

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात

आपके साथ

साजा में बनने वाले 50 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल का नामकरण स्व. (श्रीमती) बिंदेश्वरी देवी बघेल के नाम पर

नगर पंचायत-साजा, देवकर, परपोड़ी, थानखम्हरिया एवं धमधा में अधोसंरचना विकास के लिए प्रत्येक नगर पंचायत को एक-एक करोड़ रु. की घोषणा

छ.ग. मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के 76वां वार्षिक राज अधिवेशन धमधा राज के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

बेमेतरा । प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज बेमेतरा जिले के विकासखण्ड मुख्यालय साजा मे आयोजित छ.ग. मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के 76वां वार्षिक राज अधिवेशन धमधा राज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। छ.ग. राजगीत से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र साजा के अन्तर्गत आने वाले नगर पंचायत-साजा, देवकर, परपोड़ी, थानखम्हरिया एवं धमधा में अधोसंरचना विकास के लिए प्रत्येक नगर पंचायत को एक-एक करोड़ रुपये दिए जाने की घोषणा की। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल साजा के लिए दो करोड़ रुपये, ब्लॉक मुख्यालय साजा में बनने वाले 50 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल (एमसीएच) का नामकरण स्व. (श्रीमती) बिंदेश्वरी देवी बघेल के नाम पर करने की घोषणा की। समारोह में क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष श्री चोवाराम वर्मा, धमधा राज प्रधान श्री चंद्रशेखर परगनिया, समाज के संरक्षक रामकुमार सिरमौर, नगर पंचायत अध्यक्ष साजा श्रीमती शालिनी जायसवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कुर्मी समाज के 76वें वार्षिक राज अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे पुरखों ने छत्तीसगढ़ राज्य की कल्पना की थी। हमारी सरकार आने से छत्तीसगढ़िया राज महसूस हो रहा है। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक तीजा-पोरा, छेरछेरा, भक्त माता कर्मा जयंती, विष्व आदिवासी दिवस पर शासकीय अवकाश घोषित किया गया। हमारी भाखा का सम्मान करते हुए अरपा पैरी के धार को राज गीत घोषित किया गया है। प्रदेश सरकार किसानों की दशा बदलने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की चौथी किश्त 31 मार्च 2022 को उनके बैंक खाते मे अंतरित कर दी जायेगी। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शुरुआत कर सालाना 6 हजार रुपये सहायता राशि दी जा रही है। अब नये बजट में सालाना 7 हजार रुपये करने की घोषणा कर दी गई है। कोदो-कुटकी रागी को समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है।

गांव के गौठान को महात्मा गांधी की परिकल्पना के अनुरुप रुरल इंडस्ट्रियल पार्क के रुप में विकसित किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में एक नया प्रयोग 172 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गये है। इसमें गरीब परिवार के बच्चे भी अंग्रेजी शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य बीमा योजनांतर्गत 5 लाख रुपये सालाना इलाज कराया जायेगा। मुख्यमंत्री ने समाज के प्रतिभावान युवक-युवतियों को सम्मानित किया। पुरानी पेंशन योजना की बहाली पर साजा एवं बेरला के शासकीय कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। छ.ग. श्रमजीवी पत्रकार संघ के ब्लॉक अध्यक्ष साजा श्री कृष्ण कुमार राठी के नेतृत्व में सभी सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किए। कुर्मी समाज की ओर से एक बड़ी माला से मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। कृषि मंत्री श्री चौबे ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों, मजदूरों, समाज के कमजोर वर्गों के भलाई के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शपथ ग्रहण के पहले दिन की किसानों का 10 हजार करोड़ रुपये का कर्जा माफ किया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान इस साल किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ रुपया उनके बैंक खाते में अंतरित हुआ।

कृषि मंत्री ने मनवा कुर्मी समाज के पुरोधा स्व. चंदुलाल चंद्राकर, स्व. वासुदेव चंद्राकर, स्व. पुरुषोत्तम कौशिक के समाज के उत्थान की दिशा में उनके कार्यों का स्मरण किया। श्री रविन्द्र चौबे ने साजा के स्व. लतेल राम वर्मा का स्मरण करते हुए कहा कि उनकी उंगली पकड़कर मैने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। कृषि मंत्री ने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ देश का सबसे समृद्ध खुशहाल और उन्नत राज्य बनेगा। इस दिशा में मुख्यमंत्री निरंतर कार्य कर रहे हैं। मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष श्री चोवाराम वर्मा, धमधा राज प्रधान श्री चंद्रशेखर परगनिया ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विलास भोसकर संदीपान, पुलिस अधीक्षक श्री धमेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती लीना मंडावी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व साजा धनराज मरकाम उपस्थित थे।

मिठाई दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर ख़ाक

पिथौरा। बलौदा के सेंट्रल बैंक के पास प्रधान मिठाई दुकान में आग लग गई. शॉर्ट सर्किट होने की वजह से दुकान में आग लगने से दुकान में रखे लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया. घंटों बाद भी फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू नहीं पाया गया।

आग लगने से दुकान मे रखे करीब पांच से सात लाख का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है. आपको बता दें कि इस दुकान में 2 सिलेंडर की टंकी थी, जिसमें एक सिलेंडर की टंकी ब्लास्ट हो गई. सिलेंडर के ब्लास्ट होते ही अफरा-तफरी का माहौल है. आपको बता दें कि मिठाई के साथ में चाय की दुकान व हार्डवेयर की दुकान उस दुकान पर संचालित थी. आग लगने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है. वहीं आग बुझाने के लिए पास के सरायपाली से फायर ब्रिगेड के वाहन मंगाया गया. पुलिस की टीम जो है लगातार आग पर काबू पाने के लिए प्रयास कर रही थी, दमकल वाहन के साथ मौजूद बलौदा पुलिस भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है. फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही सभी समान आग में जलाकर राख हो गया. आग लगने के कारण दुकान में रखे गैस सिलेंडर में हुआ बड़ा ब्लास्ट बताया जा रहा है.

दिनकरपुर में 29 मार्च को लगाया जाएगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

धमतरी। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में नगरी विकासखण्ड के ग्राम दिनकरपुर के प्राथमिक शाला प्रांगण में स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मंगलवार 29 मार्च को किया जाएगा, जिसमें मौसमी बीमारियों की जांच एवं उपचार किया जाएगा। उक्त शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव उपस्थित रहेंगी। इस संबंध में एसडीओ वन श्री हरीश पाण्डेय ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के अलावा संचारी एवं गैर संचारी रोगी की जांच, हृदय, मधुमेह, अस्थि रोग, नाक-कान-गला रोग, नेत्र रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, शिशु रोग, श्वास रोग, सिकलिन, एचआईवी, व्हीडीआरएल, मलेरिया, डेंगू, गर्भावस्था संबंधी जांच, चर्मरोग आदि का परीक्षण कर निदान किया जाएगा, साथ ही आवश्यकतानुसार मरीजों को नि:शुल्क दवाएं वितरित भी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। डीएफओ श्री मयंक पाण्डेय ने दिनकरपुर सहित आसपास के ग्राम मुनईकेरा, भोभलाबाहरा, जबर्रा एवं चारगांव के ग्रामीणों से अपील की है कि वे शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।

केंद्र के खिलाफ साझा मोर्चे की कवायदः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 17 मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र, कहा-

जीएसटी क्षतिपूर्ति 10 साल तक जारी रखने की मांग उठाएं

रायपुर। जीएसटी क्षतिपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ राज्यों का एक साझा मोर्चा बनाने की कवायद शुरू हुई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसकी पहल की है। बघेल ने 17 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर जीएसटी क्षतिपूर्ति 10 साल तक जारी रखने की मांग उठाने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को रायपुर में कहा, केंद्र सरकार ने निर्णय लिया है कि जून, 2022 के बाद राज्यों को दी जाने वाली जीएसटी की क्षतिपूर्ति बंद कर दी जाएगी। इससे उत्पादक राज्यों को राजस्व की भारी हानि होगी। केंद्रीय बजट से पहले भी हमने केंद्र से जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी रखने या वैकल्पिक व्यवस्था बनाने का आग्रह किया था, लेकिन केंद्र सरकार ऐसा नहीं कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि मैंने 17 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि केंद्र सरकार से क्षतिपूर्ति दस वर्ष तक जारी रखने के लिए साझा आग्रह किया जाए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजा है उनमें ओडिशा, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, झारखंड, राजस्थान, पंजाब, बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, आंध्रप्रदेश, हैदराबाद, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और दिल्ली शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्वास जताया कि राज्य उनकी बात से सहमत होंगे और एक साथ इस मुद्दे पर केंद्र से सहमति का साझा अनुरोध करेंगे।

इस तरह के नुकसान की आशंका जताई

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश जैसे मैन्युफैक्चरिंग राज्यों के लिए जीएसटी क्षतिपूर्ति नहीं मिलना एक बड़ा वित्तीय नुकसान होगा। वि-निर्माण राज्य होने के नाते, देश की अर्थव्यवस्था के विकास में हमारा योगदान उन राज्यों की तुलना में बहुत अधिक है, जिन्हें वस्तुओं और सेवाओं की अधिक खपत के कारण जीएसटी शासन से लाभ हुआ है। यदि जीएसटी क्षतिपूर्ति जून 2022 से आगे जारी नहीं रखा गया, तो छत्तीसगढ़ भारी राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आगामी वित्तीय वर्ष में लगभग पांच हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है। ठीक इसी तरह दूसरे राज्यों को भो आगामी वित्तीय वर्ष में राजस्व प्राप्तियां कम होंगी और राज्यों को इस समस्या से जनहित के कार्यों और विकास कार्यों के लिए पैसों की व्यवस्था करना बहुत कठिन हो जाएगा।

राज्यों की वित्तीय चिंता को भी रखा

इस पत्र में मुख्यमंत्री ने बताया है कि जीएसटी व्यवस्था की शुरुआत के बाद टैक्स नीति पर राज्यों की स्वतंत्रता बहुत कम हो गई है। वाणिज्यिक टैक्स के अलावा, राज्यों के पास टैक्स राजस्व की अन्य मदों में राजस्व बढ़ाने के लिए विकल्प नहीं बचे हैं, इसलिए अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के दुष्प्रभाव से उबरने के लिए और राज्यों को जीएसटी का यथोचित लाभ मिलने तक, राज्यों को केंद्र सरकार से अनुरोध करना चाहिए कि वह कम से कम अगले 5 के लिए जीएसटी की कमी के लिए क्षतिपूर्ति के मौजूदा तंत्र को जारी रखे।

महिला सरपंच ने भरी सभा में सचिव को पीटा

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में एक महिला सरपंच ने भरी सभा में सचिव की पिटाई कर दी। आरोप है कि सचिव ने फर्जी साइन कर विधायक मद से 10 लाख रुपए स्वीकृत करा लिए। मामला सामने आने के बाद सरपंच ने पंचायत भवन में बैठक बुलाई। आरोप है कि वहां पूछताछ करने पर सचिव ने सरपंच का हाथ पकड़ लिया। दूसरी ओर सचिव ने सरपंच पर कमीशनखोरी का आरोप लगाया है। मामले की मौखिक शिकायत जनपद सीईओ से की गई है।

दरअसल, यह सारा मामला जिले के सबसे चर्चित कही जाने वाली ग्राम पंचायत कोपरा का है। महिला सरपंच योगेश्वरी का पंचायत भवन के सामने सचिव जोगेश्वर साहू को पीटते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। घटना शनिवार की बताई जा रही है। पूरा विवाद जनपद पंचायत कार्यालय में आए पंचायत के एक लेटर से शुरू हुआ। सरपंच योगेश्वरी ने शुक्रवार को जनपद पंचायत फिंगेश्वर गईं थी। वहां आए लेटर में पंचायत प्रस्ताव भी साथ लगा था।

महिला सरपंच ने बताया कि दोनों दस्तावेज में उनके साइन किए गए थे, लेकिन वह उनके नहीं थे। लेटर में कहा गया था कि विधायक मद से समरसता भवन के लिए 10 लाख स्वीकृत हुआ है। इसकी राशि पंचायत खाते में डाल दी जाए। इसके बाद मामले की जांच के लिए शनिवार को सरपंच ने सचिव जोगेश्वर साहू को पंचायत बुलाया। वहां पर पहले से ही पंच भी मौजूद थे। उनके सामने ही सचिव से फर्जी हस्ताक्षर के बारे में पूछताछ की गई।

सरपंच का आरोप है कि वहां सचिव ने उनका हाथ पकड़ा। इसके बाद उन्होंने बचाव में पिटाई कर दी। उन्होंने यह भी कहा कि सचिव ने फोन पर बातचीत के दौरान फर्जी हस्ताक्षर करने की बात स्वीकार की है। इस बातचीत का ऑडियो वायरल है। सरपंच ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान जांच कराने के लिए सीईओको ज्ञापन सौंपने की बात कही है। वहीं सचिव जागेश्वर साहू का कहना है कि फर्जी हस्ताक्षर की बात नहीं है। आरोप लगाया कि सरपंच कराए गए कामों में कमीशन के लिए दबाव बनाती हैं।

दूसरी ओर जनपद सीईओ राम स्वरूप साहू ने कहा कि अब तक इस संबंध में कोई लिखित शिकायत नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर विधिवत जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

बटनदार चाकू से हमला कर चोट पहुंचाने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बटनदार चाकू से हमला कर चोट पहुंचाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक प्रार्थी अमित कुमार राय ने थाना अभनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह दिनांक 12.03.22 को सारखी मोड़ अभनपुर में सड़क (रोड) निर्माणाधीन का ढलाई कार्य की देख रेख हेतु खडा था कि करीबन 12:15 बजे एक स्कुटी में तीन अज्ञात व्यक्ति आये और निर्माणाधीन रोड में घुसा दिये। प्रार्थी द्वारा मना करने के बाद भी अपने स्कुटी को घुसा दिये एवं तुम मना करने वाले कौन होते हो कहकर तीनों व्यक्तियों ने प्रार्थी को अश्लील गाली गलौच करते हुए पास पड़े ईटा व अपने पास रखें चाकू से प्रार्थी कमर पीठ में मारकर चोट पहुंचाकर फरार हो गये। जिस पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना अभनपुर में अपराध क्रमांक 106/22 धारा 294, 323, 324, 506, 34 भादवि. एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी अभनपुर के नेतृत्व में थाना अभनपुर पुलिस की टीम द्वारा अज्ञात आरोपियों की पतासाजी करते हुए प्रकरण में आरोपी शैलेन्द्र मसीह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग बटनदार चाकू जप्त किया जाकर अग्रिम कार्यवाही किया गया। प्रकरण में संलिप्त अन्य 02 आरोपी फरार है जिनकी पतासाजी कर गिरफ्तार करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

गिरफ्तार आरोपी - शैलेन्द्र मसीह पिता सुनील मसीह उम्र 27 साल निवासी वार्ड नंबर 06 विक्रम चैक थाना अभनपुर रायपुर।

हिन्दू एकजुट हुआ तो देश मजबूत होगा : शरद गजानन ढोले

रायपुर। धर्म रक्षा न्यास की ने जनसंख्या असंतुलन, चुनौतियां एवं हमारी भूमिका विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता शरद गजानन ढोले ने कहा कि भारत कमजोर हुआ तो दुनिया पर खतरा बढ़ेगा और भारत कमजोर तब होगा जब हिंदुओं की संख्या का अनुपात कम होगा। हिन्दू समाज की एकजुटता से ही भारत मजबूत होगा। भारत की समस्या का समाधान हिन्दुओं की एकजुटता है। रविवार को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के सभागार में धर्म रक्षा न्यास, रायपुर द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

जनसंख्या असंतुलन, चुनौतियां एवं हमारी भूमिका विषय पर अपना विचार रखते हुए शरद गजानन ढोले (अंतर्राष्ट्रीय विश्लेषक, अ. भा. प्रमुख, धर्म जागरण समन्वय) ने कहा कि हिन्दू समाज एक ही है, अंग्रेजों ने और उसके बाद स्वतंत्र भारत में ईसाई मिशनरियों ने समाज को तोड़ने के प्रयास किए। अभी भी भारत में जातिगत भेदभाव दिखाई देता है, इससे हिन्दू समाज कमजोर होता है, इस कमजोरी का लाभ उठाकर धर्मांतरण को बढ़ावा दिया जाता है। 'हिन्दू घटा देश बटा' इसे बताते हुए मुख्यवक्ता शरद ढोले ने हिन्दू समाज के धर्मांतरण और अवैध घुसपैठ को देश में जनसंख्या असंतुलन का सबसे बड़ा कारण बताया। इस गोष्ठी में मंच पर पूज्य संत श्री शिवरूपानंद, पूज्य संत श्री परमात्मानंद, पूज्य महंत श्री वेदप्रकाश, पूज्य श्री अंशुदेव आचार्य, बहन अदिति दीदी, ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय वि. वि., शरद गजानन ढोले, पद्मश्री डॉ. भारती बंधु, डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना, गजानन ढोलेश्री महेश बिड़ला, दीपक चौबे, श्रीमती ममता साहू, व्यास देव भोई, राजकुमार प्रजापति, चेतन तरवानी उपस्थित थे।

उन्होंने धर्मांतरण रोकने के लिए बस्तियों में जागरूकता लाना, जहां धर्मान्तरण की आशंका है, ऐसी बस्तियों में सजग होकर संपर्क रखना होगा। देश के अनेक राज्यों में धर्म स्वातंर्त्य कानून लागू है किन्तु न तो जनता को और न ही अधिकारियों को इस कानून की जानकारी है। हमें इसकी जानकारी अपने समाज में देनी होगी, जिससे धर्मांतरण के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जा सके।

भारत में प्रति दस वर्ष में हुए जनगणना के आंकड़े यह बताते है कि, देश में धार्मिक अनुपात में हिन्दुओं की संख्या कम हुई है। जहां जहां हिन्दुओं की संख्या कम हुई, वहां समस्या बढ़ी है, हिन्दुओं पर अत्याचार हुए, देश के कई प्रान्तों में इसके उदाहरण देखने को मिलते है। जो स्थान हिन्दू बाहुल्य है, वहां शांति है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी यह आवश्यक हैं। कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्ध नागरिकों की जिज्ञासा के लिए प्रश्न आमंत्रित किये गए थे। मुख्य वक्ता ने सबके प्रश्नों के उत्तर देकर सबका का समाधान किया। बड़ी संख्या में गोष्ठी में उपस्थित प्रबुद्धजनों में से 18। लोगों ने गोष्ठी को लेकर अपना लिखित अभिमत भी दिया है। मंच संचालन सीमा शर्मा ने किया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक अमर बंसल ने किया।

इंजन समेत 7 बोगियां पटरी से उतरी

रायगढ़। जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें रेलवे में आज एक हादसा हो गया है जहां रायगढ़ स्टेशन के पास जामगाव में मालगाड़ी की इंजन समेत 7 बोगियां ट्रैक से उतर गई है। जामगांव के पास ट्रेन हादसा होने की खबर सामने आ रही है इस हादसे में दो मालगाड़ीयां आपस मे टकरा गई, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आधा दर्जन से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए हैं और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं।इस घटना के बाद यात्री ट्रेनें बाधित हो गई है वही कई ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया है। घटना की जानकारी लगते ही रेलवे के अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए हैं मुंबई हावड़ा मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है ट्रेन हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नही है लेकिन भारी संख्या में माल का नुकसान हुआ है ये घटना पूरी रायगढ़ के निकट जामगांव रेलवे स्टेशन के पास की है।

संपादकीय

चीन को दो टूक

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को दिल्ली में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में जिस साफगोई से भारत की चिंताओं को रखा, उससे भारत के कड़े रुख का पता चलता है। भारत ने एक बार फिर दो टूक शब्दों में दोहराया है कि चीन को पूर्वी लद्दाख के विवादित इलाकों से अपने सैनिक हटाने ही होंगे, तभी रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में बढ़ा जा सकता है। वांग यी गुरुवार को अचानक भारत की यात्रा पर पहुंचे थे। विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से भी लंबी बात की। वांग की यह यात्रा महत्त्वपूर्ण इसलिए है कि दोनों देशों के बीच दो साल से चल रहे गतिरोध के बीच चीन का कोई वरिष्ठ मंत्री पहली बार भारत आया है।

चौंकाने वाली बात यह भी कि चीनी विदेश मंत्री की यह यात्रा कोई पूर्व नियोजित नहीं थी, बल्कि वे काबुल से अचानक दिल्ली पहुंचे। ऐसे में वांग का दिल्ली आना इस बात का भी संकेत माना जा सकता है कि शायद चीन फिलहाल विवादों को विराम देना चाहता हो। जो देश हाल तक भारत से सीधे मुंह बात करने को तैयार नहीं था, अब उसके विदेश मंत्री ने भारत आने की पहल कर बड़ा संदेश दिया है।

गौरतलब है कि जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों पर हमला कर दिया था। इसमें भारत के चौबीस जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद चीन ने तेजी से वहां सैनिक जमा करने शुरू कर दिए और कुछ जगहों पर कब्जा पर भी जमा लिया। इस गतिरोध को दूर करने के लिए दोनों देशों के बीच अब तक पंद्रह दौर की बातचीत हो चुकी है। पर हैरानी की बात यह है कि वार्ता के हर दौर में चीन कुछ न कुछ ऐसा अड़ियल रुख दिखाता रहा है जिससे गतिरोध कम होने का नाम ही नहीं ले रहा।

इसीलिए शुक्रवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी चीनी विदेश मंत्री से साफ कहा कि मौजूदा गतिरोध दोनों देशों के लिए अच्छा नहीं है। भारत की चिंता इसलिए भी जायज है कि चीन अक्सर ऐसी गतिविधियों को अंजाम देता रहा है जिससे तनाव और बढ़ा है। पिछले साल अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सीमाई इलाकों में चीनी सैनिकों की घुसपैठ की घटनाएं सामने आई थीं और तब भारत ने इस पर कड़ा विरोध जताया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर काफी समय से चीन के रुख को लेकर चिंता जताते रहे हैं। उनकी नाराजगी इस बात को लेकर ज्यादा है कि चीन समझौतों का पालन नहीं कर रहा है और इससे हालात बिगड़ रहे हैं। जाहिर है, अब तक चीन की मंशा थी ही नहीं संबंध सुधारने की। पर अब रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच वैश्विक राजनीति तेजी से बदल रही है। चीन भी भारत की मजबूत होती स्थिति से अनजान नहीं है। हाल में जापान और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक की। इससे भी चीन में खलबली है। फिर, रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत ने तटस्थता की जो नीति अपनाई है, उससे अमेरिका सहित कई देश परेशान हैं। चीन भी इसे समझ रहा है। उसे लग रहा है कि गलवान गतिरोध कम कर भारत के प्रति नरम रुख दिखाने का यह बड़ा मौका है। वांग अगर भारत आए हैं और अपने समकक्ष के साथ वार्ता में उन्होंने भारत की चिंता और सरोकारों को समझा है, तो आने वाले दिनों में इसका असर दिखना भी चाहिए। तभी उनकी यात्रा को सार्थक माना जाएगा।

साक्षरता और सुशासन

(सुशील कुमार सिंह)

भारत में साक्षरता शक्ति का एक महत्वपूर्ण उपकरण है। जो महिलाएं शिक्षित हैं, वे साक्षर बच्चों की एक पीढ़ी पैदा कर सकती हैं और यही पीढ़ी देश में कुशल कार्यबल बन सकती है। स्पष्ट है कि साक्षरता में कौशल और प्रतिभा का संदर्भ निहित है। जब बाजार में अवसरों की मांग बढ़ेगी और जीवन स्तर में सुधार होगा, तो प्रति व्यक्ति आय भी ऊंची होगी और देश की आर्थिकी छलांग लगाएगी।

गरिमामय और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए व्यक्ति को साक्षर होना बहुत जरूरी है। साक्षरता मुक्त सोच को जन्म देती है। आर्थिक विकास के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामुदायिक कल्याण के लिए भी यह महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त आत्मसम्मान और सशक्तिकरण भी इसमें निहित है। अब सवाल यह है कि जब साक्षरता इतने गुणात्मक पक्षों से युक्त है, तो फिर अभी भी हर चौथा व्यक्ति अशिक्षित क्यों है? क्या इसके पीछे व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार है या फिर सरकार की नीतियां और मशीनरी जवाबदेह है? कारण कुछ भी हो, मगर इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि साक्षरता का अभाव सुशासन की राह में बड़ा रोड़ा है।

सुशासन एक जन केंद्रित संवेदनशील और लोक कल्याणकारी भावनाओं से युक्त ऐसी व्यवस्था है जिसके दोनों छोर पर केवल व्यक्ति ही होता है। यह एक ऐसी अवधारणा है जहां से सामाजिक-आर्थिक उत्थान अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाता है। बदले दौर में सरकार की नीतियां और जन अपेक्षाएं भी बदली हैं। बावजूद इसके पूरा फायदा तभी उठाया जा सकता है, जब देश निरक्षरता से मुक्त होगा।

गौरतलब है कि स्वतंत्रता के बाद 1951 में 18.33 फीसद लोग साक्षर थे, जो 1981 में बढ़ कर इकतालीस फीसद हो गए थे। लेकिन जनसंख्या के अनुपात में यह क्रमशः तीस करोड़ से बढ़ कर चवालीस करोड़ हो गए थे। ऐसे में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की कल्पना अस्तित्व में आई। पांच मई 1988 को शुरू हुए इस मिशन का उद्देश्य था कि लोग अनपढ़ न रहें।

कम से कम साक्षर तो जरूर हो जाएं। इस मिशन ने असर तो दिखाया, लेकिन शत-प्रतिशत साक्षरता हासिल कर पाने में यह नाकाम रहा। इसी के ठीक तीन बरस बाद 25 जुलाई 1991 को आर्थिक उदारीकरण का पदार्पण हुआ और 1992 में नई करवट के साथ भारत में सुशासन का बिगुल बजा। साक्षरता और सुशासन की यात्रा को तीन दशक से अधिक वक्त हो गया। जाहिर है, दोनों एक-दूसरे के पूरक तो हैं, मगर अभी देश में इन दोनों का पूरी तरह स्थापित होना बाकी है।

भारत में साक्षरता सामाजिक-आर्थिक प्रगति की कुंजी है। साक्षरता और सुशासन का गहरा रिश्ता है। दुनिया के किसी भी देश में बिना शिक्षित समाज के सुशासन के लक्ष्य को हासिल करना संभव नहीं है। साक्षरता से जागरूकता को बढ़ाया जा सकता है और जागरूकता से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता को बढ़त मिल सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरक्षरता मिटाने के मकसद से 1966 में यूनेस्को ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की शुरुआत की थी। इसका कार्यक्रम का उद्देश्य था कि 1990 तक किसी भी देश में कोई भी व्यक्ति निरक्षर न रहे।

मगर ताजा स्थिति यह है कि भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार साक्षरता चौहत्तर फीसद ही है। जबकि राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के 2017-18 के सर्वेक्षण के मुताबिक देश में साक्षरता 77.7 प्रतिशत थी। इतना ही नहीं, साक्षरता दर में व्यापक लैंगिक असमानता भी विद्यमान है। साक्षरता का शाब्दिक अर्थ है- व्यक्ति का पढ़ने और लिखने में सक्षम होना। आसान शब्दों में कहें तो जिस व्यक्ति को अक्षरों का ज्ञान हो और वह पढ़ने-लिखने में सक्षम हो, सरकार की नीतियों, बैंकिंग व्यवस्था, खेत-खलिहानों से जुड़ी जानकारियां, कारोबार से जुड़े उतार-चढ़ावों जैसी चीजों को समझ सके। साक्षरता के जरिए लोकतंत्र की मजबूती से लेकर आत्मनिर्भर भारत की यात्रा भी सहज हो सकती है।

भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हाल में वयस्क शिक्षा को बढ़ावा देने और निरक्षरता खत्म करने के लिए 'पढ़ना-लिखना अभियान' की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य 2030 तक देश में साक्षरता दर सौ फीसद तक ले जाना है। जाहिर है, यह अभियान 'साक्षर भारत-आत्मनिर्भर भारत' के ध्येय को भी पूरा करने में मदद कर सकती है। गौरतलब है कि संपूर्ण साक्षरता के लक्ष्य को ध्यान में रख कर ही साल 2009 में 'साक्षर भारत कार्यक्रम' शुरू किया गया था। इसमें यह निहित था कि राष्ट्रीय स्तर पर यह दर अस्सी फीसद तक पहुंचाना है।

हालांकि साल 2011 की जनगणना के अनुसार देश की साक्षरता दर चौहत्तर फीसद ही थी। कोविड-19 के चलते साल 2021 में होने वाली जनगणना संभव नहीं हो पाई। ऐसे में साक्षरता की मौजूदा स्थिति क्या है, इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है। मगर जिस तरह 2030 तक शत-प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य रखा गया है, उसे देखते हुए कह सकते हैं कि 2031 की जनगणना में आंकड़े देश में अशिक्षा से मुक्ति की ओर होंगे।

सुशासन की परिपाटी भले ही बीसवीं सदी के अंतिम दशक में परिलक्षित हुई हो, मगर साक्षरता को लेकर चिंता जमाने से रही है। साक्षरता और जागरूकता की उपस्थिति सदियों पुरानी है। यदि बार-बार अच्छा शासन ही सुशासन है, तो इस तर्ज पर अशिक्षा से मुक्ति और बार-बार साक्षरता पर जोर देना सुशासन की मजबूती भी है। असल में कौशल विकास के मामले में भारत में बड़े नीतिगत फैसले या तो हुए नहीं, और यदि हुए भी तो साक्षरता और जागरूकता में कमी के चलते उसे काफी हद तक जमीन पर उतारना कठिन बना रहा। 'स्किल इंडिया' कार्यक्रम सुशासन को एक अनुकूल जगह दे सकता है, बशर्ते इसके लिए जागरूकता का दायरा बढ़ाया जाए।

गौरतलब है कि स्किल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत 2022 तक कम से कम तीस करोड़ लोगों को कौशल प्रदान करना है। पर इसकी राह में दो बड़े अवरोध हैं। पहला यह कि देश में मात्र पच्चीस हजार ही कौशल विकास केंद्र हैं जो नाकाफी हैं। और दूसरा अवरोध साक्षरता को लेकर है जिसके अभाव में कौशल कार्यक्रम के उद्देश्य को पूरा करना अपने में एक समस्या है। यही कारण है कि लोक कल्याण और जनहित के लिए योजनाएं तो कई आती रही हैं, मगर इसकी पूरी पहुंच साक्षरता और जागरूकता की कमी के चलते संभव नहीं हुई।

बहरहाल भारत के समक्ष राष्ट्रीय साक्षरता दर को सौ फीसद तक ले जाने के अतिरिक्त स्त्री-पुरुष साक्षरता की खाई को पाटना भी एक चुनौती रही है। संयुक्त राष्ट्र ने 2030 तक पूरी दुनिया से सभी क्षेत्रों में लैंगिक भेदभाव को समाप्त करने का संकल्प लिया है। देखा जाए तो भारत में पिछले तीन दशकों में स्त्री-पुरुष साक्षरता दर का अंतर दस प्रतिशत तक तो घटा है। मगर पिछली जनगणना को देखें तो यह अंतर एक खाई के रूप में परिलक्षित होता है। जहां पुरुषों की साक्षरता दर बयासी फीसद से अधिक है, वहीं महिलाओं में यह दर पैंसठ फीसद ही है।

दरअसल शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक विषमता बढ़ने के कई कारण हैं। शिक्षा के प्रति समाज2 का एक हिस्सा आज भी जागरूक नहीं है। सुशासन के निहित परिप्रेक्ष्य से यह विचारधारा स्थान लेती है कि साक्षरता कई समस्याओं का हल भी है। 1991 के उदारीकरण के बाद देश में जिस तरह तकनीकी बदलाव आए हैं, उसमें साक्षरता के कई आयाम भी प्रस्फुटित हुए हैं।

मसलन, अक्षर साक्षरता के अलावा तकनीकी साक्षरता, कानूनी साक्षरता, डिजिटल साक्षरता आदि अधिकारों को जानने के प्रति जागरूकता सहित कई ऐसे परिप्रेक्ष्य हैं जो जनता के लिए जरूरी हैं। इसलिए संपूर्ण साक्षरता के बिना सुशासन स्वयं में अधूरा है।

गा...यां ही है जिनका विभागीय गहना

व्यंग्य

हमारे देश में एक ऐसा विभाग भी है ,जिसकी अपनी अलग पहचान है । यूँ तो उक्त विभाग के लोग वर्दी में ही नजर आते हैं । उन्हें देख गलत काम करने वालों की धिग्गी बंध जाना भी कोई नई बात नहीं है । ये ऐसा स्वच्छ विभाग है जिसकी सुबह की शुरुआत ईश्वरीय आराधना से नहीं वरन ऐसे शब्दों से होती है जिन्हें इस विभाग के लोग राम- राम की भाँति स्वीकार करते हैं । खाखी वर्दी को शरीर में ओढ़े इन लोगों को यह शपथ भी अंतर्मन में लेनी होती है कि विभागीय मान- मर्यादा का हमेशा ख्याल रखते हुए एक से बढ़कर एक गा... यों की तालीम अपराधों के स्वरूप के अनुसार सीख ली जाएंगी ! यह भी इस विभाग में देखा जा रहा है कि जिसने सत्यता, कर्मठता और निष्ठता के साथ इस वर्दी को धारण करने के बाद अपनी पहचान स्वरूप गा.... यों की माला को कंठस्थ न किया उसे इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ता है । ऐसे देश सेवक को अपनी नौकरी के अधिकांश वर्ष लाइन में या फिर किसी अधिकारी के बँगले में बेगारी के तौर पर काटने पड़ते हैं ।

मैं विगत कई वर्षों से विभाग के जाँबाज जवानों के साथ जुड़ा हुआ हूँ । अब पत्रकारिता तो लाइन ही ऐसी है कि खाखी वर्दी विभाग के बगैर काम ही नहीं चल सकता है । विभाग की पहचान स्वरूप फर्राटेदार गा..... यों को अपने पाठ्यक्रम का विषय मानते हुए पूरी शिद्दत से निभाने वाले तो रोज अपने दर्शन दे जाते हैं । एक ऐसा भी नेकदिल जवान हमारी उसी बिरादरी में शामिल है ,जो गा.... देना तो दूर उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता है । मैंने उसे कई वर्षों से न तो किसी था...में जवान के तौर पर तैनात पाया न ही चौक- चौराहों पर वाहनों के निरीक्षण के लिए खड़ा पाया , किन्तु उसे न तो कभी उन्नति का ÷ ऊ ÷ ही प्राप्त हुआ और न ही अधिकारी का आशीर्वाद ! दूसरी ओर एक ऐसा भी विभागीय कद्रदान मिला जिसके गा..... देने का अंदाज तूफान एक्सप्रेस को भी फेल करता है । यही कारण है कि अच्छे- अच्छे की हिम्मत नहीं कि उसके आस- पास भी फटक सकें । अपनी इसी प्रतिभा के चलते वह बड़े अधिकारियों का खास बना हुआ है । आखिर ऐसा क्या है इस गा.... पुराण में कि इसे अनदेखा करने वाला जिंदगी की रेस में पिछड़ गया है । इस पर गंभीर चिंतन और मनन के पश्चात मैं कुछ निष्कर्ष पर पहुँच पाया हूँ और स्तब्ध हूँ कि समाज में निकृष्ट दृष्टि से देखा जाने वाला ऐसा शख्स अपनी कर्मभूमि पर सफलता के साथ परचम कैसे लहरा रहा है ?

ऐसे ही एक कर्तव्यनिष्ठ का बारीकी से सर्वे करने पर मुझे जो परिणाम प्राप्त हुआ वह भी चौकाने वाला है । छोटे- मोटे खोमचे वालों से लेकर बड़े से बड़े दुकानदार तक अपना रौब जमाने वाले अधिकारियों के हनुमान में वह बल रोम- रोम में समाया हुआ है जिसके कारण अच्छे- अच्छे व्यापारी भी उससे समान के एवज में पैसे माँगने की हिम्मत नहीं करते वरन उल्टे चाय- पानी नाश्ता परोसने में कोई कमी नहीं रखते हैं । वे खुद तो मुफ्त में चाट, गुपचुप, आइसक्रीम और जो चाहे गपागप हजम कर जाते हैं साथ ही अपने साथियों को भी मुफ्त की दावत देकर अपने रौब का परिचय करा जाते हैं । खाने- पीने के साथ ही कमाने में प्रवीण ऐसे लोगों की सेहत विभाग के लिए मुसीबत बनी हुई है । कारण यह कि भगवान लंबोदर की तरह बाहर की ओर झांकते हुए इनके पेट इस बात की शिकायत करते दिखाई पड़ते हैं कि कोई कोना अभी खाली रह गया है ! चोरों, लुटेरों और छेड़छाड़ करने वालों के पीछे दौड़ना इनके शरीर को मंजूर नहीं ! अजी ! दौड़ना तो क्या ये अपने भारी- भरकम तोंद की वजह से बराबर चल ले तो भी विभाग शान से इन्हें आँखों पर सजाए रखे ! बावजूद इसके अधिकारियों के इस कुँवर पर कोई तिरछी नजर नहीं रख सकता !

हम जिस सज्जन खाखी वर्दी की बात करना चाहते हैं उसे एक नहीं हजार बार समझाने का प्रयास कर थक गए हैं कि कुछ विभागीय आचरण संहिता को सीख ले तो आर्थिक संपन्नता का मार्ग प्रशस्त हो चले, किन्तु कई वर्षों से हमें असफलता ही मिल रही है ! परिणाम यह कि सरल स्वभाव और मानवता के मुद्दों को अपना संस्कार मानने वाले उक्त शख्स को अपनी जरा सी तनख्वाह पर ही गुजारा करना पड़ रहा है । उसे यह समझाने का प्रयास भी सफल नहीं हुआ कि सरकार ने इस विभाग के लोगों की तनख्वाह महज इसलिए कम रखी है कि उनकी ऊपरी कमाई का कोई हिसाब नहीं होता है ! यही एक बड़ा कारण है कि कानून कहे जाने वाले इन देश भक्तों ने आज तक अपनी तनख्वाह बढ़ाने सरकार के कान खड़े नहीं किये । इसके पीछे का बड़ा लॉजिक यही है कि यदि इन्होंने वेतन बढ़ाने हेतु झंडा उठाया तो सरकार इनकी प्रतिदिन की ऊपरी कमाई का हिसाब माँग सकती है , जिसे बताना आसान नहीं होगा । यह भी हो सकता है कि सरकार आवाज उठाने पर वेतन तो बढ़ा दे लेकिन ऊपरी कमाई पर अंकुश लगा दे , जो किसी भी गणितीय भाषा में नुकसानदेह हो सकता है । इसलिए सब कुछ समझते हुए कम वेतन पर काम करना उन्हें मंजूर है । ईमानदारी के साथ बिना ऊपरी कमाई के सेवा दे रहे खाखी वर्दीधारी को विभागीय अधिकारी भी कानून का रक्षक मानने तैयार नहीं है ।

अपने विभाग की इज्जत का ख्याल रखते हुए काम करने वालों को ही प्रशस्ति पत्र से नवाजा जाता रहा है । जिसने विभाग की छबि धूमिल करते हुए ऊपरी कमाई से दूरी बनाई उसे विभाग के अपमान पर शर्मिंदगी ही झेलनी पड़ती है । आर्गेनाइज्ड महकमों जैसे लिकरबार , डांसबार, रेस्टॉरेंट,कैबरों , चकलाघरों , जुआघरों में रकम की वसूली में कोई माथापच्ची भी नहीं है । पहुँचने की देरी नहीं कि संचालकों को यह पता होता है कि इन कु.... को रोटी का टुकड़ा कितना बड़ा और कैसे डालना है । वे अपना टुकड़ा दांतों में दबाकर बड़ी मस्तानी चाल से उस ओर निकल पड़ते हैं जिस तरफ उनके आकाओं का कार्यालय हुआ करता है । नए जवानों की भर्ती के साथ उन्हें प्रशिक्षण देने का काम भी ऐसे ही लोगों को सौंपा जाता है । कैसे जेबकतरों, चोरों , तस्करों आदि से सामंजस्य बनाया जाए और इनकी जमात को बढ़ाया जाए इन सभी योग्यता की ट्रिक उन्हें यथा-समय सिखाकर विभाग की उपयोगिता सदियों से सिद्ध की जा रही है ।

डॉ. सूर्यकान्त मिश्रा
राजनांदगांव (छ. ग.)
9425559291

हीट वेव की अभी तो सिर्फ शुरुआत है, आने वाले दिनों में कितनी सताएगी गर्मी

(चंद्रभूषण)

पिछले दिनों भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि देश जल्द ही हीट वेव से गुजरेगा। भारत में लोगों को हीट वेव से बचने की चेतावनी दी गई है। मैदानों के अलावा उत्तराखंड और लद्दाख जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में भी हीट वेव की चेतावनी उसने दी है। कुछ समय पहले ठंड थी और अब अचानक हीट वेव की आशंकाएं जताई जाने लगी हैं। यह मार्च का हाल है। लेकिन अगर हम पिछले कुछ सालों का रेकॉर्ड देखें तो पता चलता है कि यह तो शुरुआत है, हीट वेव अप्रैल और मई में भी आएगी।

यह कोई नई घटना नहीं है। 2022 के मौसम में कोई नई चीज नहीं हो रही है। देखा जाए तो पिछले दस साल से तापमान का बहुत तेजी से बढ़ना लगभग एक ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा पहले नहीं था। पहले अगर आप भारत के मौसम को देखते तो ठंड के बाद हमारे यहां वसंत आता था। इस वसंत में तापमान हलका सा बढ़ता था। वसंत के बाद और मॉनसून के पहले गर्मी आती थी। पिछले 10-15 सालों से देखा जा रहा है कि जो मौसम का परंपरागत बंटवारा था, वह खत्म हो रहा है और ठंड के तुरंत बाद गर्मी आ जाती है। यही वजह है कि हीट वेव हमें मार्च में ही सताने लग गई है।

हीट वेव भारत में बहुत बड़ी 'महामारी' की तरह उभरी है। पिछले पचास साल के सरकारी आंकड़ों को देखें तो 17, 362 लोगों की मौत हुई है। यह भी पूरा आंकड़ा नहीं है क्योंकि हीट वेव से मरने वाले बहुत सारे लोग अस्पताल में नहीं जाते, तो वे आंकड़ों में भी नहीं आ पाते। इसके बावजूद सत्यापित आंकड़ों में भी हजारों लोगों का हीट वेव से मरना बहुत बड़ी चीज है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट बताती है कि यह संख्या मौसम की वजह से होने वाली सभी मौतों का तकरीबन 12 फीसदी है। पिछले 50 सालों में हीट वेव से मरने वालों की दर में 62 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यह भी देखा गया है कि पिछले पांच-छह साल में हीट वेव की घटना तेजी से बढ़ती जा रही है। हाल ही में जो आईपीसीसी की रिपोर्ट आई है, उसमें भी कहा गया है कि भारतीय उपमहाद्वीप में अगर तापमान डेढ़ डिग्री से ज्यादा होता है तो हीट वेव और भी तेजी से बढ़ेगी, घातक लू आम हो जाएगी। 2019 में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेट्रोलॉजी ने बताया था कि 2020 से ही लू का आना और इसका ज्यादा समय तक रहना आम हो जाएगा। तो हमें क्या करना चाहिए हीट वेव से बचने के लिए? पहला, हमें हीट वेव की परिभाषा बदलनी होगी। अभी जिस तरह से हम हीट वेव को परिभाषित कर रहे हैं, जिन मानदंडों पर इसका आकलन कर रहे हैं, वह संपूर्ण नहीं है। अभी हम हीट वेव को सिर्फ तापमान पर आंकते हैं। अगर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो जाए तो हीट वेव की घोषणा की जाती है। अगर 47 डिग्री से ज्यादा हो जाए तो सीवियर हीट वेव घोषित की जाती है। अगर तापमान सामान्य से चार से छह डिग्री बढ़ जाए तो उसे भी हीट वेव कहते हैं। इस तरह की हीट वेव को हम ड्राई बल्ब टेंपरेचर कहते हैं। इसमें हम उमस को नहीं जोड़ते हैं। अगर हम लोगों से पूछें कि सबसे खराब गर्मी कौन सी होती है तो वे बताएंगे कि वह गर्मी जिसमें उमस बहुत ज्यादा होती है, वह जानलेवा होती है। सिर्फ गर्मी हो तो लोग उसको झेल भी सकते हैं क्योंकि पसीना आता है। पसीना हमारे शरीर का तंत्र है जिससे हमारा शरीर ठंडा रहता है। लेकिन अगर गर्मी और उमस एक साथ आए तो पसीना भी नहीं निकलता। उस स्थिति में हमारा शरीर ठंडा नहीं हो सकता।

हीट वेव की सही परिभाषा तापमान और उमस को मिलाकर की जाने वाली गणना से निकलती है, जिसे हम वेट बल्ब टेंपरेचर से ही नाप सकते हैं। इसे ऐसे समझें कि अगर तापमान 35 डिग्री सेल्सियस है और उमस 80 फीसदी पर पहुंची हुई है तो वेट बल्ब टेंपरेचर 32 डिग्री सेल्सियस होगा। 32 डिग्री वेट बल्ब टेंपरेचर मेहनत-मजदूरी करने वालों के लिए खतरनाक माना जाता है। अगर वेट बल्ब टेंपरेचर 35 डिग्री से ज्यादा हो जाता है तो वह जानलेवा हो जाता है। आंकड़े दिखाते हैं कि वेट बल्ब टेंपरेचर भारत में बहुत जगह साल में 36-38 डिग्री तक होने की संभावना है। भारत के कई इलाकों में 32 डिग्री वाला वेट बल्ब टेंपरेचर होना तो अब आम होने लगा है। हमें यह मानकर चलना होगा कि हीट वेव यानी कि लू अब असलियत है और यह बढ़ेगी ही बढ़ेगी। यह पिछले पचास साल का ट्रेंड है कि हीट वेव बढ़ रही है और पिछले दस साल से तेजी से बढ़ रही है।

जलवायु आपदा में पर्यटन

(जयप्रकाश त्रिपाठी)

अर्थव्यवस्था में अब पर्यटन की अहम भूमिका है। उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर पूर्वोत्तर के पर्वतीय राज्यों तक की पूरी आर्थिकी इसी पर निर्भर है। सैलानियों की आमद से कई तरह के रोजगार सृजित होते हैं। इसीलिए पर्यटन लक्ष्य पर नजरें टिकाए फेडरेशन आफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी (फेथ) हाल ही में जारी अपने 'दृष्टिपत्र-2035' में साढ़े सात करोड़ पर्यटकों और साढ़े सात अरब घरेलू पर्यटन यात्राओं की उम्मीद करते हुए डेढ़ सौ अरब डालर विदेशी मुद्रा और पंद्रह करोड़ प्रत्यक्ष-परोक्ष रोजगार सृजित करने के सपने देख रहा है।

पर्यावरण और पर्यटन में आदिम अंतर्संबंध है। पर्यटन की कमाई से लेकर पर्यावरण पर उसके प्रभाव की चिंताओं को आज के परिवेश में नए सिरे से जाना-समझा जा रहा है। इस बीच भयानक होती जा रही महंगाई और बेरोजगारी की भगदड़ भी कुछ कम तनाव नहीं दे रही है। ऐसे में पर्यटन से हमारे समृद्ध पर्यावरण की मुलायम त्वचा छिल जाती है। वनस्पतियां कुम्हलाने लगती हैं। मद्धिम-मद्धिम पदचाप भी वन्य-जीवन को चौंका देती है। पर्यटन वाले इलाकों में दिन-रात यातायात, अनियोजित शहरीकरण, कहीं रिसार्ट, कहीं तंबू के बहाने लुढ़का दिए गए लाखों वृक्ष, नौकायन के साथ झीलों में तैरता कचरे का पहाड़, बोतलें, प्लास्टिक के अपशिष्ट; और उसी में बीड़ी-सिगरेट की एक चिंगारी भर से धधकते जंगलों की विनाशलीला से समूचा वन्य-जीवन थरथरा उठता है।

पर्यटन उद्योग को लहलहाने के लिए आवासीय भवनों, राजमार्गों, होटलों, ढाबों का बेतहाशा निर्माण भी कुछ कम विध्वंस नहीं कर रहा है। फूलों की घाटी में झांक कर देखिए कि वह किस तरह बांझ होकर रह गई है। दिशा बदलती नदियां नीचे की बसावटों पर कैसे-कैसे कहर ढा रही हैं। आज दुनिया, जब 'जलवायु आपातकाल' से गुजर रही है, अब तो अंतरिक्ष पर्यटन भी पर्यावरण के लिए खतरा बन रहा है। अंतरिक्ष में बढ़ते कार्बन उत्सर्जन के मद्देनजर, इसीलिए पिछले वर्ष जुलाई में 'वर्जिन गैलेक्टिक स्पेस' के मालिक रिचर्ड ब्रैनसन के एक सौ साठ किलोमीटर के 'स्पेस-ट्रेवल' का कड़ा विरोध हुआ। एक ब्रिटिश शोध संस्थान बता रहा है कि पर्यटन के दबावों के चलते जलवायु परिवर्तन से चालीस प्रतिशत तेल-गैस भंडार, छह सौ अरब बैरल तेल तक दुनिया अपनी पहुंच खो सकती है।

अमेरिका के खाड़ी तट पर कच्चे तेल की सबसे बड़ी रिफाइनरी भीषण ठंड में बंद हो जाती है। वेरिस्क मेपलक्राफ्ट के पर्यावरण विश्लेषक रोरी क्लास्बी कहते हैं कि ऐसी घटनाएं भविष्य में और अधिक तीव्र होती जाएंगी। पर्यावरण से खेल रहे उद्योग जगत को ही इसकी सबसे अधिक कीमत चुकानी है। जीवाश्म ईंधन की निर्भरता ने अलग संकट खड़े कर दिए हैं। युद्ध, प्रदूषण का एक बड़ा कारक बनते जा रहे हैं। सुपरसोनिक जंगी विमान जम कर प्रदूषण फैला रहे हैं।

आइपीसीसी (इंटरगवर्नमेंटल पैनल आन क्लाइमेट चेंज) की रिपोर्ट बताती है कि पर्यटन समृद्धि के लिए भारी प्राकृतिक दोहन, जलवायु आपदा आदि के कारण खाद्य सुरक्षा के खतरे गहराते जा रहे हैं। जलवायु आपदा गंगा, सिंधु, अमु दरिया आदि को जल-अभाव का सामना करना पड़ सकता है। हिमनदों के पिघलने से उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों में नई झीलें पैदा होंगी, जो पहाड़ी तटबंध तोड़-फोड़ कर निचले इलाके बर्बाद कर डालेंगी।

ये हालात पहाड़ी क्षेत्रों ही नहीं, नदी घाटी इलाकों, समुद्री तथा तटीय पारिस्थितिकी तंत्र में भी अभी से उथल-पुथल मचाने लगे हैं। मौसम चक्र उलटने-पुलटने, अचानक बरसात, उच्च तापमान के कारण सांस, संक्रामक रोग, मधुमेह, मलेरिया, डेंगू बुखार, डायरिया के मरीजों में भारी इजाफा हो रहा है।

पर्यटन चिंताओं के दौर में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण अधिवेशन के पांचवें सत्र के दौरान प्लास्टिक कचरे की समस्या पर गहन वैश्विक चर्चा हुई। तब, हमारे यहां पर्यटन के निकष पर, उदयपुर की झील और पहाड़ भी इसके साक्षी बने। भारत समेत दुनिया के एक सौ पचहत्तर देशों ने प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपटने के एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान पर्यावरण अनुकूलन के लिए 2024 के अंत तक एक अंतरराष्ट्रीय समझौते का प्रारूप और इसके लिए कोष की प्रक्रिया तैयार कर लेने का निश्चय किया गया। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यह समझौता किया गया है। एक शोधपत्र में आगाह किया गया है कि इस दौर में हर आदमी का शरीर रोजाना जाने-अनजाने खानपान के दौरान प्लास्टिक के 142 टुकड़े और सांस लेते समय 170 टुकड़े अवशोषित कर लेता है।

जलवायु आपदा और महामारी के बावजूद भारतीय-वैश्विक होटलों की शृंखलाएं पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक विकास के माडल रचती जाती हैं। तालाब, पहाड़, बाग-बगीचे, मनोहर अभयारण्य, प्रवासी पक्षियों समेत दुर्लभ जलीय जीव तक, पर्यटन स्थलों पर घरेलू कचरा, पालीथिन बैग, मेडिकल कचरा, पूजा सामग्री, ईद-बकरीद के बाद मांस उच्छिष्ट से बेखबर इस विकास माडल के जबड़े में समाते चले जाते हैं। इसी बीच वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि लाहौल-स्पीति में वाहनों के ब्लैक कार्बन से सदियों पुराने ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पहले, जब वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही नहीं होती थी, 'पाउडर बर्फ' गिरती थी, अब पारिस्थितिकीय संतुलन बिगड़ने से बारिश होती है।

सवाल है कि पर्यटन अगर विनाश का सबब बन रहा है, तो पहाड़ी गांवों, छोटे-छोटे बाजारों को जीवन दान भी तो इसी से मिलता है। छोटी-छोटी घर-गृहस्थी वाले पहाड़ी क्षेत्रों के करोड़ों लोग आखिर सैलानियों के बिना कैसे गुजर-बसर करें। अर्थव्यवस्था में अब पर्यटन की अहम भूमिका है। उत्तराखंड-हिमाचल से लेकर पूर्वोत्तर के पर्वतीय राज्यों तक की पूरी आर्थिकी इसी पर निर्भर है। सैलानियों की आमद से कई तरह के रोजगार सृजित होते हैं।

इसीलिए पर्यटन लक्ष्य पर नजरें टिकाए फेडरेशन आफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी (फेथ) हाल ही में जारी अपने 'दृष्टिपत्र-2035' में साढ़े सात करोड़ पर्यटकों और साढ़े सात अरब घरेलू पर्यटन यात्राओं की उम्मीद करते हुए डेढ़ सौ अरब डालर विदेशी मुद्रा और पंद्रह करोड़ प्रत्यक्ष-परोक्ष रोजगार सृजित करने के सपने देख रहा है। उसके एक दूरदर्शी ताजा दस्तावेज में बाजार उत्कृष्टता, मूल्यवृद्धि नियमन, राष्ट्रीय पर्यटन दृष्टिकोण और निवेश को रफ्तार देने वाले साधन उल्लेखनीय हैं।

हल्दी एवं अदरक प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मृल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थों का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में

सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

यूक्रेन पर हमले का 33वां दिन

कोरिया की तरह यूक्रेनको दो हिस्सों में तोड़ना चाहते हैं पुतिन

» रूस से क्रीमिया तक लैंड कॉरिडोर बनाने की भी कोशिश

नई दिल्ली

दूसरी तरफ यूक्रेनी मिलिट्री ने दावा किया है कि 18 दिन बाद रूसी सेना राजधानी कीव से पीछे हट रही है। रूस ने 10 मार्च को कीव को तीन ओर से घेर लिया था। हालांकि, अब वो कीव से हटकर उत्तरी हिस्से में जमा हो रही है। वहीं, यूक्रेन के शहरों पर रूसी हमले के बीच आज दोनों देश के प्रतिनिधि तुर्की के इंस्ताबुल में चौथे राउंड की शांति वार्ता के लिए बैठक करेंगे। रूस-यूक्रेन के बीच अब तक 28 फरवरी, 1 मार्च और 7 मार्च को शांति वार्ता हो चुकी है, लेकिन सुलह की राह नहीं निकल सकी है। सोमवार की मीटिंग से पहले तुर्की के राष्ट्रपति तैयपे अर्दोगन ने कहा है कि 6 प्वाइंट में से 4 पर दोनों देशों के बीच सहमति बन गई है, जिसमें यूक्रेन के ढ्ढह्र में शामिल नहीं होने की शर्त भी शामिल है। इधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की ने रूस के पत्रकार को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि हम रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शर्तों के तहत समझौता नहीं करेंगे। हालांकि, हम शांति वार्ता को लेकर न्यूट्रल नीति अपना रहे हैं।

तुर्की बोला- रूस रोके युद्ध

तुर्की के राष्ट्रपति तैयप अर्दोगन ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की है। अर्दोगन ने पुतिन से यूक्रेन पर हमला रोकने को कहा है। तुर्की ने कहा है कि युद्ध रोक कर शांति ही एक मात्र स्थाई हल है। अर्दोगन ने रूस और यूक्रेन के शांति बैठक का भी स्वागत किया है और कहा है कि उम्मीद है, दोनों देश समझौते की राह पर चलेंगे। जंग के बीच यूक्रेनी सेना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गिरफ्तार किए गए रूसी सैनिकों को टॉर्चर किया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद रूस ने जांच कमेटी बनाई है।

इमरान की पत्नी फिर चर्चा में:PAK के विपक्षी नेता बोले-

पति की सरकार बचाने घर में मुर्गे जला रहीं बुशरा, बदबू राजधानी में फैली

जादू-टोने में उलझे PM

- आर्मी चीफ जनरल बाजवा से उलझे
- ISI चीफ की नियुक्ति अटकाई
- एटमी साइंटिस्ट के जनाजे से दूर रहे
- चार फाइनेंस मिनिस्टर बदल डाले
- मरियम नवाज ने लताड़ लगाई

इस्लामाबाद

इमरान खान की सरकार पर सख्त खतरा मंडरा रहा है। हालात ये हैं कि खान साहब की कुर्सी कब चली जाए, किसी को नहीं पता। बहरहाल, विपक्ष के नेता एक बार फिर इमरान के बहाने उनकी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी मनेका पर निशाना साध रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (क्करू-ह्) के नेता शहबाज शरीफ के मुताबिक, टोने-टोटकों के लिए मशहूर इमरान की पत्नी बुशरा बीबी पति की सरकार बचाने के लिए घर में मुर्गे जला रही हैं और इसकी बदबू पूरे इस्लामाबाद में फैल रही है। इमरान की पत्नी पर जादू-टोने के आरोप काफी पहले से लगते रहे हैं। पाकिस्तान के सियासी हलकों में बुशरा को पिंकी पीरनी कहा जाता है। पहली शादी से बुशरा के पांच बच्चे हैं। उनके पूर्व पति खावर मनेका और बेटे पर सरकारी ठेकों में धांधली और कमीशनखोरी के आरोप लगते रहे हैं।

शहबाज ने क्या कहा

शहबाज ने पाकिस्तान के एक टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया। इसमें मुल्क की सियासत पर खुलकर बात की। पहली बार इमरान खान की पर्सनल लाइफ पर भी बोले। कहा- मेरे पास सबूत मौजूद हैं कि बनीगाला में इमरान की सरकार बचाने के लिए किस तरह का जादू-टोना और टोटके किए जा रहे हैं। लेकिन, इससे इमरान की किस्मत बदलने वाली नहीं है। इमरान के घर में कई टन मांस जलाया जा रहा है। काला जादू किया जा रहा है। मुर्गे काटे जा रहे हैं और इसकी बदबू राजधानी इस्लामाबाद में फैल रही है। शरीफ ने कहा- हमारे प्रधानमंत्री जादू-टोने और पीर-पीरनियों के फेर में फंस गए हैं। इनसे देश नहीं चलता। दूसर तरफ, मुल्क के बच्चे भूख से बिलख रहे हैं।

बुशरा और बनी गाला पर निशाना:- इमरान खान इस्लामाबाद से कुछ दूर मौजूद हिल स्टेशन में रहते हैं। उनके अरबों रुपए से बने आलीशान घर का नाम 'बनीगाला' है। पाकिस्तान के कई जर्नलिस्ट इस घर रहस्यमय बताते रहे हैं। अब शहबाज शरीफ जैसे जिम्मेदार और बड़े नेता ने बनी गाला और इसकी मालकिन बुशरा बीबी पर निशाना साधा है। शहबाज को संजीदा किस्म का नेता माना जाता है। कहा जा रहा है कि इमरान सरकार गिरने की सूरत में शहबाज ही विपक्षी गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री बनेंगे। बहरहाल, ये बातें तभी सामने आएंगी जब इमरान कुर्सी से उतर जाएंगे।

बुशरा के पूर्व पति-बेटे पर भी आरोप

पिछले दिनों लाहौर का एक वीडियो वायरल हुआ था। यह बुशरा बेटे के बेटे का था और उसे पुलिस ने हिट एंड रन के एक मामले में पकड़ लिया था। बाद में उसे छोड़ना पड़ा, क्योंकि उसने खुद को प्रधानमंत्री का सौतेला बेटा बताया था। मजे की बात यह थी कि उसके पास एक पहचान पत्र भी बरामद हुआ था। इस पर लिखा था 'स्टेप सन ऑफ प्राइम मिनिस्टर' यानी प्रधानमंत्री का सौतेला बेटा।

हिजाब विवाद के बाद पहली परीक्षा : कर्नाटक में लड़कियों को एग्जाम सेंटर के बाहर हिजाब उतारने पड़े

» उधर पर्सनल लॉ बोर्ड सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली

हिजाब विवाद के बीच कर्नाटक में 28 मार्च से बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। हिजाब विवाद उठने के बाद ये पहले एग्जाम हैं। छात्राओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए एग्जाम सेंटर के बाहर हिजाब अलग करने के बाद ही एंट्री ली। हालांकि स्टूडेंट्स ने अपने भविष्य के लिए समझौता नहीं किया, लेकिन ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है। मुस्लिम बोर्ड के अलावा समस्त केरल जमीयतुल उलेमा ने भी सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन फाइल की है। इसमें यह कहा गया है कि हाईकोर्ट का फैसला पवित्र कुरान और हदीस की गलत व्याख्या और इस्लामी कानून की गलत समझ पर आधारित है।

छात्राओं ने सेंटर के बाहर उतारे हिजाब

एक दिन पहले कर्नाटक के शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने कहा था कि परीक्षा हॉल में हिजाब पहनकर आने वाली किसी छात्रा को एंट्री नहीं मिलेगी। छात्राएं हिजाब पहनकर स्कूल या एग्जाम सेंटर तक जा सकती हैं, लेकिन एग्जाम हॉल में एंट्री पहले उन्हें हिजाब उतारना पड़ेगा। हिजाब में भी मिली एंट्री कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के इतर दक्षिण कन्नड़ प्रशासन ने कहा कि एग्जाम हॉल के अंदर हिजाब पहनने की परमिशन उन्हें ही मिलेगी, जहां वह यूनिफॉर्म का हिस्सा है। कमिश्नर केवी राजेन्द्र ने कहा कि कर्नाटक के कई स्कूल मुस्लिम संस्थाएं चलाती हैं और वहां हिजाब यूनिफॉर्म का हिस्सा है। इसलिए उन सेंटर्स पर हिजाब पहनकर एंट्री मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

यूपी में विधायकों की शपथ अखिलेश ने योगी को बुके दिया, योगी ने कंधे पर हाथ रखकर थपथपाया

लखनऊ। यूपी विधानसभा में विधायकों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम चल रह है। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शपथ ली। शपथ लेकर लौटते वक्त योगी को नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने बुके दिया। योगी ने अखिलेश से हाथ मिलाया और फिर कंधे में हाथ रखकर पीठ थपथपाई। वहीं, अखिलेश जब शपथ लेने गए तो उन्होंने योगी का नमस्ते करते हुए अभिवादन किया। विधानसभा में आज और कल दो दिन तक 403 विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा।

1- शपथ के लिए जाते वक्त योगी आदित्यनाथ को अखिलेश यादव ने बुके दिया। योगी ने अखिलेश से हाथ मिलाया और कंधा थपथपाया।

2. शपथ लेने के लिए जाते हुए अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य से हाथ मिलाया और हाथ जोड़कर योगी का अभिवादन किया।

3. योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, सुरेश खन्ना ने खड़े होकर अखिलेश यादव का अभिवादन किया।

4. सदन में अखिलेश यादव नेता विपक्ष की कुर्सी पर बैठे।

5. शपथ के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जनादेश पर काम करूंगा, जनता से जुड़े हर मुद्दे को सदन में उठाऊंगा।

6. डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, सतीश महाना, दयाशंकर सिंह, संदीप सिंह, गुलाब देवी ने भी विधानसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली।

7. कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी शपथ ली।

यूक्रेन के जिन पार्कों और आंगन में बच्चे खेलते थे, वहीं दफन हुए उनके शव

कीव

यूक्रेन पर रूस का हमला 33वें दिन भी जारी है। हमले में यूक्रेन के 1119 आम नागरिकों की मौत हो चुकी है। यूक्रेन के मारियूपोल में हालात बदतर हो चुके हैं। शवों को कब्रिस्तान ले जाना मुश्किल है, इसलिए उन्हें अम्यूजमेंट पार्क, खेल मैदानों और घर के आंगनों में भी दफनाना पड़ रहा है। हमलों में कम्यूनिकेशन सिस्टम तहस नहस हो चुका है। इससे दूसरे देशों में रह रहे लोग अपनों की जानकारी भी नहीं जुटा पा रहे हैं। यूक्रेन में काम कर रहे लोग मरने वालों और शहर छोड़ कर जा रहे लोगों की लिस्ट हर दिन तैयार कर सोशल मीडिया पर जारी करते हैं। कई लोगों को अपने परिजनों की मौत की सूचना भी कब्र के फोटो देखकर मिली है। पोलैंड में शरण ले चुकी कीव की ओलेना मैकाय को अपने भाई की मौत के बारे में सोशल मीडिया से जानकारी मिली। सर्च फॉर रिलेटिव्स एंड फ्रेंड्स अन्य लोगों के लिए जानकारियां दे रहे हैं। रूसी बमबारी में लोगों की मौत के बाद उन्हें दफनाने के लिए लोग कब्रिस्तानों तक शवों को नहीं ले जा पा रहे हैं। स्कूलों के पार्कों में ही शव दफना रहे हैं। मारियूपोल से अधिकांश लोग बाहर निकलना चाहते हैं, लेकिन बाहरी मदद के बगैर उनके लिए ये संभव नहीं हो पा रहा हैं। क्योंकि गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर उपलब्ध नहीं हैं। इवेक्यूएशन में मदद कर रही एक संस्था ने एक दिन 100 ड्राइवर्स की मदद मांगी, लेकिन उन्हें महज 30 ड्राइवर्स ही उपलब्ध हो पाए। मारियूपोल के लोगों का कहना है कि रूसी सेना, यूक्रेनियों के पासपोर्ट और यूक्रेनियन पहचान पत्र छीनकर उन्हें जबरदस्ती रूस की सीमा में भेज रही है। दावे के अनुसार अब तक करीब तीन हजार लोगों को वहां ले जाया गया है। उन्हें रूसी पहचान पत्र भी दिए जा रहे हैं। रूसी सेना, यूक्रेनी लोगों की मदद का झूठा प्रोपेगंडा भी कर रही है।

33 दिन के युद्ध के बाद यूक्रेन में चारों ओर बर्बादी के मंजर दिख रहे हैं। यूक्रेन ने 5 बड़े शहर लीव, खार्किव, कीव, खारसेन पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं।

तालिबान का नया फरमान : महिला-पुरुषों के एक ही दिन अम्यूज्मेंट पार्क जाने पर रोक

काबुल

तालिबान हुकूमत ने नया फरमान जारी कर महिला और पुरुषों के एक ही दिन अम्यूज्मेंट पार्क जाने पर रोक लगा दी। न्यूज एजेंसी स्पुतनिक ने बताया, नए फरमान के मुताबिक अब पुरुष बुधवार से शनिवार और महिलाएं रविवार से मंगलवार तक ही अम्यूज्मेंट पार्क जा सकेंगी। इसी के साथ तालिबान के लड़ाके अगर अम्यूज्मेंट पार्क जाते हैं तो उन्हें अपने साथ हथियार ले जाने की परमिशन नहीं होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान अंतरराष्ट्रीय मान्यता के लिए इस तरह के फैसले के जारी कर अपनी एक सॉफ्ट इमेज पेश करना चाहता है।

तालिबान के प्रवक्ता का सोशल मीडिया पोस्ट

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर कहा, इस्लामिक अमीरात के मुजाहिदीन को हथियारों, सैन्य वर्दी और वाहनों के साथ अम्यूज्मेंट पार्क में जाने की परमिशन नहीं होगी। वे पार्क के सभी नियमों का पालन करने के लिए बाध्य हैं।

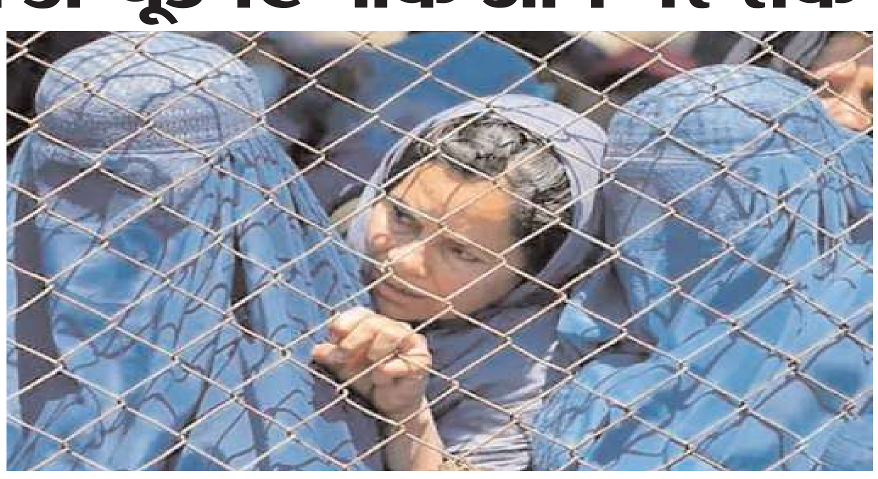

एजुकेशन में भी तालिबान का अड़ंगा

अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबान ने महिलाओं की शिक्षा और आजादी को लेकर कई वादे किए थे। इसके बाद अनुमान लगाया गया था कि तालिबान अपनी पिछली हुकूमत के उलट इस बार महिला अधिकारों के प्रति नरम रवैया रखेगा। हालांकि अब तक ऐसा कुछ नजर नहीं आया है। यहां पिछले हफ्ते बुधवार को पहली बार लड़कियों के स्कूल खोले गए थे, लेकिन चंद घंटे बाद ही तालिबान ने स्कूल को फिर बंद करने के आदेश जारी कर दिए। तब तालिबान प्रवक्ता इनामुल्ला समागनी ने कहा- आदेश के बाद छात्रों में भ्रम पैदा हो गया था। हम ये मानते हैं कि इस कदम से लड़कियों की शिक्षा को लेकर सवाल जरूर पैदा होंगे।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

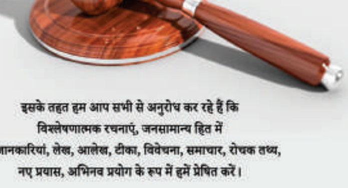

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने तीसरा पेशेवर खिताब जीता

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने फ्लोरिडा के प्लांट सिटी में स्थानीय मुक्केबाज ब्रैंडन सैंडोवल को तकनीकी नॉकआउट में हराकर अपने करियर का तीसरा पेशेवर मुकाबला जीता। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2014 के रजत पदक विजेता और पिछले साल मार्च में पेशेवर बनने वाले जांगड़ा ने लाइटवेट (61 किग्रा) वर्ग में तकनीकी नॉकआउट से जीत हासिल की। एशियाई चैम्पियनशिप 2013 रजत पदक विजेता जांगड़ा ने अपने करारे और सटीक मुक्कों से मुकाबले में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाये रखा। जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में इससे पहले अमेरिका के डेवोन लीरा और अर्जेंटीना के लुसियानो रामोस को हराया था।

मैच से पहले बोले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन - हमारे पास पर्याप्त विकल्प हैं

पुणे। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार उनके पास मजबूत टीम है जिसमें खेल के हर विभाग में पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं और इसलिए टीम खिताब के 13 साल के इंतजार को खत्म करने की उम्मीद कर रही है। आईपीएल 2008 के चैंपियन रॉयल्स ने इस सत्र में सैमसन के अलावा जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल जैसे कुछ नामी खिलाड़ियों को अपनी टीम में लिया है। सैमसन ने कहा कि जल्द से जल्द आपस में सामंजस्य बिठाना टीम की जीत के लिये महत्वपूर्ण होगा। सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मंगलवार को होने वाले रॉयल्स के पहले मैच से पूर्व कहा, 'हमारा ध्यान जल्द से जल्द आपसी तालमेल स्थापित करना है। इस बार हमारे पास एक अलग टीम है। टीम में कुछ नये सदस्य हैं, इसलिए आपसी सामंजस्य बिठाना और अपने साथियों को समझना महत्वपूर्ण है।% उन्होंने कहा, 'पिछले दो तीन सत्र से हमने निश्चित रूप से सीख ली है। हमने कुछ विकल्पों पर चर्चा की और उस पर अमल किया और हमें नीलामी में एक बहुत अच्छी टीम मिली। सैमसन ने कहा कि रॉयल्स के पास लगभग 2 माह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिये पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम में काफी भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। यह बहुत लंबा टूर्नामेंट है। हमें सभी खिलाड़ियों की मानसिकता, फिटनेस और फॉर्म को समझने की जरूरत है। लेकिन हमारे पास पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं।

आरसीबी की हार के जिम्मेदार : ओडियन की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से जीती पंजाब; उनका कैच अनुज ने छोड़ा, हर्षल रन आउट से चूके थे

पंजाब

पंजाब किंग्स ने रविवार को आईपीएल मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हरा दिया। बेंगलुरु ने पंजाब को 206 रन का टारगेट दिया था। इसे पंजाब ने 19 ओवर में ही चेज कर लिया। आखिरी ओवरों में ओडियन स्मिथ 312.50 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से नॉटआउट 25 रन की तूफानी पारी खेलकर पंजाब को जीत दिलाई। इस दौरान उनके बल्ले से 3 छक्के और 1 चौका निकला, लेकिन मैच के 17वें ओवर में स्मिथ को आरसीबी ने दो आसान जीवनदान दिए और यहीं से पूरा मैच बदल गया।

टर्निंग पॉइंट- बेंगलुरु ने 17वें ओवर में विकेट लेने के 3 मौके गंवाए

बेंगलुरु ने पारी के 17वें ओवर में 3 बार विकेट लेने के मौके गंवाए। ओवर की चौथी गेंद पर अनुज रावत ने डीप एक्स्ट्रा कवर पर ओडियन स्मिथ का आसान सा कैच ड्रॉप कर दिया। अगली गेंद पर शाहरुख खान ने ड्राइव किया और दो रन के लिए दौड़ पड़े। इसी दौरान ओडियन बाल-बाल रन आउट होने से बचे। हर्षल पटेल के हाथ में गेंद थी, लेकिन वो रन आउट नहीं कर पाए। ओवर की आखिरी गेंद पर लॉन्ग ऑन पर फील्डिंग कर रहे डेविड विली ने शाहरुख खान का कैच छोड़ दिया। मैच में दोनों के बीच 25 गेंदों में 52 रन की साझेदारी हुई और पंजाब ने ये मैच आसानी से अपने नाम कर लिया।

14वें ओवर में कैच के लिए ही हीरो बने थे अनुज

इससे पहले 14वें ओवर में अनुज ने लियाम लिविंगस्टोन का शानदार कैच पकड़ा था। आकाश दीप की गेंद पर लिविंगस्टोन गेंद को बांउड्री से बाहर भेजना चाहते थे, लेकिन गेंद ज्यादा दूर नहीं गई और अनुज ने शानदार छलांग लगाते हुए कैच को लपक लिया। हालांकि, 14वें ओवर में हीरो बने अनुज 17वें मैच में कैच छोड़कर आरसीबी की हार के सबसे बड़े विलेन बन गए।

ओडियन और शाहरुख ने दिलाई पंजाब को जीत

आरसीबी के खिलाड़ियों की गलती का फायदा पंजाब के ओडियन स्मिथ और शाहरुख खान ने खूब उठाया। स्मिथ ने 8 गेंदों में नॉटआउट 25 रन बनाए। वहीं, शाहरुख ने 120 के स्ट्राइक रेट से 24 रन जड़े। जीत के हीरो भी यही दोनों रहे, क्योंकि एक वक्त लड़खड़ा चुकी पंजाब की पारी को इन्हीं दोनों बल्लेबाजों ने संभाला और जीत पक्की की। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी हुई।

मिशेल मार्श के आईपीएल में खेलने पर संदेह, दिल्ली में शामिल ऑलराउंडर पाक दौरे पर चोटिल; कप्तान फिंच बोले- वनडे और टी-20 सीरीज खेलना मुश्किल

नई दिल्ली

आईपीएल के 15वें सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को आईपीएल में जीत के साथ डेब्यू किया। पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हराया। वहीं इस जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स के लिए बुरी खबर पाकिस्तान से आई है। पाकिस्तान दौरे पर आई ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऑलराउंडर मिशेल मार्श चोटिल हो गए हैं। वह वनडे और टी-20 सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। ऐसे में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से आगे के मैचों में मार्श के खेलने पर संदेह है। हालांकि अभी न तो फ्रेंचाइजी और न ही मार्श की ओर से इस पर कोई अधिकारिक बयान आया है।

कूल्हे में लगी है चोट

मार्श को कूल्हे में चोट लगी है। ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान एरोन फिंच ने मीडिया में दिए बयान में बताया कि मिशेल मार्श को कूल्हे में चोट लगी है और उन्हें जिस तरह से दर्द महसूस रहा है, उसे देखकर ऐसा नहीं लगता कि वह वे पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज में खेल पाएंगे।

मार्श को दिल्ली कैपिटल्स ने 6.50 करोड़ में खरीदा

मिशेल मार्श को इस बार आईपीएल के मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 6.50 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब मार्श के चोटिल होने से दिल्ली कैपिटल्स के लिए आगे के मैचों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पहले भी चोटिल हो चुके हैं मार्श

मार्श का वैसे चोटों से पुराना नाता है। इससे पहले 2017 में भी चोटिल हो गए थे और आईपीएल से बाहर हुए थे। उस समय वह पुणे सुपरजायंट्स टीम में शामिल थे। इसके बाद अगले चार सालों में इस खिलाड़ी की कंधे और टखने की भी सर्जरी हुई। साल 2020 में आरसीबी टीम में शामिल मार्श पहले ही मैच में चोट खा बैठे थे। इसके बाद वो आईपीएल से ही बाहर हो गए।

मिचेल मार्श का बिग बैग में शानदार प्रदर्शन

मिचेल मार्श ने हाल ही में बिग बैश लीग में 85 से ज्यादा की औसत से 255 रन बनाए थे। टी20 वर्ल्ड कप में मार्श ने 60 से ज्यादा की औसत से 185 रन बनाए थे।

महेन्द्र सिंह धोनी का चौकाने वाला ऐलान, रविन्द्र जडेजा होंगे चेन्नई के नये कप्तान

लाहौर

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल मार्श कूल्हे की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं और उनका दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र में भी खेलना संदिग्ध है। दिल्ली कैपिटल्स ने मार्श को आईपीएल नीलामी में 6.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। मार्स को पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला समाप्त होने के बाद छह अप्रैल को दिल्ली की टीम से जुड़ना था लेकिन अब उनकी उपलब्धता चोट की स्थिति पर निर्भर करेगी। ऑस्ट्रेलिया के वनडे कप्तान आरोन फिंच ने सोमवार को यहां कहा कि मार्श रविवार को क्षेत्ररक्षण का अभ्यास करते समय चोटिल हो गए थे। उनका स्कैन कराया गया है जिसे जांच के लिए भेजा गया है। फिंच ने पत्रकारों से कहा, 'उसके कूल्हे में चोट लगी है। हमें लगता है कि वह अभ्यास के दौरान चोटिल हुआ। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि उसकी स्थिति कैसी है लेकिन कल जिस तरह से उसकी स्थिति थी मुझे नहीं लगता कि वह इस श्रृंखला में खेल पाएगा। आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीन वनडे मैचों की श्रृंखला मंगलवार को शुरू होगी। इसके बाद पांच अप्रैल को एकमात्र टी20 मैच खेला जाएगा। मार्श ने पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय में 627 रन बनाकर एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन का ऑस्ट्रेलियाई रिकॉर्ड बनाया था।

बंगाल के बीरभूमि में फुटबॉल मैदान के पास कच्चे बम बरामद

नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के सिकंदर गांव में रविवार को एक फुटबॉल मैदान के पास प्लास्टिक की थैली में पुलिस ने कच्चे बम बरामद किए। इन बमों को डिफ्यूज करने के लिए केंद्रीय जांच विभाग (सीआईडी) की एक बम स्क्वायड टीम मौके पर पहुंची। बमों की बरामदगी ऐसे समय में हुई है जब केंद्रीय जांच ब्यूरो उस हिंसा की जांच के लिए बोगतुई गांव में है जिसमें दो बच्चों सहित 8 लोगों की जलकर मौत हो गई थी। बीरभूम हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस राज्य भर

से हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के लिए छापेमारी कर रही है। हथियार और गोला-बारूद जब्त करने के लिए चलाए गए अभियान में जगदल, बीजपुर और भाटपारा इलाकों से 8 जिंदा बम, तीन आग्नेयास्त्र बरामद किए गए हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल सीबीआई की टीम आगजनी की जगह पर मौजूद हैं। टीम ने जले हुए मलबे के नमूने एकत्र किए हैं। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्रीय जांच दल को यह मामला सौंपा है। केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) ने भी रामपुरहाट शहर के हिंसा प्रभावित गांव में नमूने एकत्र किए थे। सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा कि हम एक महिला और तीन अन्य लोगों से बात करेंगे, जो हिंसा में घायल हो गए थे और अब उनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कनाडा ने 36 साल बाद विश्व कप में बनाई जगह

टोरंटो

कनाडा ने साइले लारिन, टाजोन बुकानन और जूनियर होइलेट के गोल की मदद से जमैका को 4-0 से हराकर 36 साल में पहली बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाई। कनाडा इससे पहले केवल एक बार 1986 में विश्व कप में खेला था। मिडफील्डर जोनाथन ओसोरियो ने कहा, 'मेरे पास शब्द नहीं हैं। सपना सच हो गया। हम सभी बचपन से इसका सपना देखते थे और कनाडाई होने के कारण यह असंभव था। आज असंभव हुआ। यह अविश्वसनीय अहसास है। कनाडा पिछले सप्ताह कोस्टारिका से 1-0 से हारने के कारण विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था। यह उसकी विश्व कप क्वालीफाईंग में छह जीत के बाद पहली हार थी। जमैका के खिलाफ उसकी टीम ने हालांकि शुरू से दबदबा बनाए रखा और आसान जीत हासिल की। जमैका पहले ही विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

आज उठाए गए ये 7 कदम आपको दिला सकते हैं आर्थिक आजादी

नई दिल्ली। यदि आप आर्थिक आजादी चाहते हैं या कम से कम जरूरत, खर्च और आय के मामले में मजबूत बनना चाहते हैं तो कुछ जरूरी कदम उठाने होंगे। याद रखें कि आर्थिक सुकून बड़ी उपलब्धि होती है। जाहिर है, यह आसानी से हासिल नहीं होगी। इसके लिए एक प्लान बनाना होता है और उसके साथ टिके रहने की जरूरत होती है। आइए पर्सनलसीएफओ डॉट इन के सीईओ सुशील जैन से जानते हैं कि वित्तीय तौर पर बेहतर भविष्य के लिए आज हम क्या कर सकते हैं।

मौजूदा वित्तीय स्थिति स्पष्ट करें:- सबसे पहले यह पक्का करें कि आप अपनी मौजूद वित्तीय स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ हैं। आय, बचत, निवेश, बीमा जैसे सभी फाइनेंशियल्स व्यवस्थित कर लें। यदि आपके सामने मौजूदा वित्तीय स्थिति की साफ तस्वीर नहीं होगी तो भविष्य के लिए प्लान बनाना मुनासिब नहीं होगा।

कैश-फ्लो और कर्ज पर फोकस:- आय के सभी स्रोतों और खर्च के बीच फर्क का हिसाब लगाएं। इसमें जीवनसाथी की आय भी जोड़ सकते हैं। अब आप अलग-अलग खर्चों को जोड़कर पूरे घर खर्च का हिसाब लगाएं। इसमें घर की आम जरूरतों के अलावा बच्चों की पढ़ाई और लोन की किस्तें जैसे खर्च शामिल हैं। अब यह देखें कि आप पर कर्ज का कुल कितना बोझ है? होम लोन के अलावा अन्य सभी कर्जों को जल्द-से-जल्द चुकाने की कोशिश करें।

इमर्जेंसी फंड और रिस्क मैनेजमेंट:- बुरे-से-बुरे वक्त के लिए खुद को हमेशा तैयार रखें। इसके लिए आपके पास हमेशा कम-से-कम छह महीनों के वेतन के बराबर इमर्जेंसी फंड होना चाहिए। इसके अलावा पर्याप्त इंश्योरेंस कवर भी जरूरी है। इसमें लाइफ इंश्योरेंस और पूरे परिवार को कवर करने वाला हेल्थ इंश्योरेंस शामिल है। सभी तरह के जोखिम से निपटने की तैयारी के बाद भविष्य के लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाएं।

वित्तीय लक्ष्यों का प्रबंधन:- कार या मकान जैसे आगामी वर्षों के लक्ष्य तय करें और हरेक के लिए अलग-अलग योजना बनाएं। इससे आपको अंदाजा लग जाएगा कौन सा लक्ष्य हासिल करने के लिए आपके पास कितना समय है। इस हिसाब से छोटी या लंबी अवधि के निवेश के फैसले करें।

वेल्थ क्रिएशन व एक्स्ट्रा इनकम:- वेल्थ क्रिएशन में समय लगता है और इसके लिए धैर्य की जरूरत होती है। निवेश के सही साधन में पैसा लगाना इसका सबसे अच्छा तरीका है। जोखिम उठाने की अपनी क्षमता और लक्ष्य के हिसाब से अपने लिए सही एसेट क्लास (इक्विटी, डेट, गोल्ड या रियल एस्टेट) का चयन करें और बचत के पैसे का निवेश शुरू करें।

वेल्थ मैनेजमेंट:- जैसे-जैसे संपत्ति बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे उसके प्रबंधन की जरूरत होती है। आपको यह सुनिश्चित करना होता है कि अभी जैसे अनिश्चितता वाले माहौल में भी ग्रोथ महंगाई दर से ज्यादा हो।

सक्सेशन प्लान, वसीयत बनाएं:- आखिर में आप चाहेंगे कि आपने जो संपत्ति बनाई है, वह उत्तराधिकारियों को सही तरीके से ट्रांसफर हो जाए। इसके लिए सक्सेशन प्लान बनाना होगा। वसीयत इसका अच्छा तरीका हो सकता है।

निशाने पर चीन की मुखौटा एनबीएफसी

मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डिजिटल ऋण कारोबार से जुड़ीं ऐसी 40 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की एक सूची तैयार की है, जो चीन के नागरिकों की कंपनियों के लिए मुखौटे के रूप में काम कर रही हैं। ईडी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से इन एनबीएफसी के लाइसेंस रद्द करने को कहा है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि देश में ऐसी कंपनियां हैं, जिन्होंने आरबीआई से एनबीएफसी लाइसेंस हासिल कर लिया है। इन कंपनियों ने उन डिजिटल ऋण एप्लिकेशन (डीएलए) के साथ गठजोड़ कर लिया है, जो छोटे व्यक्तिगत कर्ज और लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को कर्ज समेत विभिन्न प्रकार के ऋण मुहैया कराती हैं। जांच में पाया गया है कि इन एनबीएफसी का ऋण या वसूली पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिन्हें विदेशी, मुख्य रूप से चीन के नागरिकों के स्वामित्व वाली फिनटेक नियंत्रित करती हैं। चीन के इन नागरिकों में से ज्यादातर हॉन्गकॉन्ग के हैं। एनबीएफसी का लाइसेंस हासिल करना मुश्किल नहीं है। इसके लिए केवल 2 करोड़ रुपये का खुद का कोष होना जरूरी है। सूत्रों ने कहा कि ये एनबीएफसी ऋण देने के लिए संसाधन जुटाने में सक्षम नहीं होती हैं। ऐसे में वे डिजिटल ऋणदाताओं से करार करती हैं, जिनके हाथ में आम तौर पर पूरा परिचालन होता है।

एक सूत्र ने नाम प्रकाशित नहीं करने का आग्रह करते हुए कहा, ऐसे कई मामले देखने में आए हैं, जिनमें आरबीआई की स्वीकृति से एनबीएफसी का स्वामित्व विदेशी नागरिकों के स्वामित्व वाले इन प्लेटफॉर्म को हस्तांतरित कर दिया गया। हालांकि अब आरबीआई ने इन एनबीएफसी का स्वामित्व विदेशी, मुख्य रूप से चीन के नागरिकों के स्वामित्व वाली कंपनियों को सौंपने की मंजूरी देना बंद कर दिया है।

पिछले साल नवंबर में आरबीआई के एक आंतरिक कार्यदल ने पाया था कि जनवरी और फरवरी 2021 के बीच 80 ऐप स्टोर में उपलब्ध 1,100 ऋण ऐप में से 600 अवैध थे। आंतरिक कार्यदल ने ऐसे डिजिटल ऋणदाताओं के लिए नियम कड़े करने का प्रस्ताव रखा था। कार्यदल ने पाया है कि बैंकों की तुलना में एनबीएफसी डिजिटल तरीके से ज्यादा ऋण देती हैं। आंतरिक कार्यदल ने पाया है कि प्लेटफॉर्म आधारित ऋण मार्केट प्लेस लेंडर्स (एमपीएल) या मार्केट प्लेस एग्रीगेटर (एमपीए) द्वारा दिए जाते हैं। ये प्लेटफॉर्म ऋणदाता और कर्जदार की जरूरतों को मिलाने की भूमिका निभाते हैं, जिनका ऋणों को अपनी बैलेंसशीट में शामिल करने का कोई इरादा नहीं होता है। सूत्रों ने कहा कि इसमें बड़ा मुद्दा ऋण नहीं बल्कि ग्राहकों के डेटा तक पहुंच है। सूत्र ने कहा, फिनटेक को ग्राहकों का डेटा उपलब्ध हो जाता है, जिसमें आधार संख्या समेत केवाईसी दस्तावेज शामिल हैं। वे ब्याज की ऊंची दर वसूलते हैं।

7 दिन में छठवीं बार पेट्रोल-डीजल महंगा

इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम 26 फीसदी घटे, देश में 7 दिन में बढ़ चुके हैं 4 रुपए

नई दिल्ली

इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम करीब 26.42 फीसदी तक घट चुके हैं। इसके बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल में लगातार महंगाई की आग भड़क रही है। पिछले सात दिन में छह बार तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। सोमवार को भी पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 35 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। अब एक हफ्ते के दौरान दोनों के दाम एक लीटर पर चार रुपए तक बढ़ चुके हैं। नई दरों के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 99.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.77 रुपए प्रति लीटर बिकेगा। मुंबई में पेट्रोल 114.08 रुपए और डीजल 98.48 रुपए प्रति लीटर पर बिकेगा।

शहर	पेट्रोल	डीजल
चेन्नई	₹105.18	₹95.33
कोलकाता	₹108.85	₹93.92
दिल्ली	₹99.41	₹90.77
मुंबई	₹114.19	₹98.50

कीमत प्रति लीटर के हिसाब से है

कच्चा तेल सस्ता, लेकिन पेट्रोल-डीजल महंगा

कच्चे तेल के दाम फरवरी के अपने 140 डॉलर प्रति बैरल के उच्चतम स्तर से गिरकर 103 डॉलर तक आ चुके हैं, फिर भी पिछले छह दिनों में तेल कंपनियां पांच बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा चुकी है। तेल कंपनियों का रुख देखते हुए यह माना जा रहा है दाम बढ़ने का यह क्रम अगले 15 दिन तक इसी तरह जारी रह सकता है।

मूडीज ने किया था दावा- धीरे-धीरे बढ़ेंगे दाम

पिछले दिनों मूडीज रेटिंग एजेंसी ने रिपोर्ट जारी कर कहा था कि भारत के टॉप फ्यूल रिटेलर्स IOC, BPCL और HPCL को नवंबर से मार्च के बीच करीब 2.25 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) के रेवेन्यू का नुकसान हुआ है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि सरकार रिफाइनरी को नुकसान से बचाने के लिए कीमतें बढ़ाने की अनुमति देगी। लगातार दो दिन 80-80 पैसे बढ़ने पर मूडीज ने कहा था कि इससे संकेत मिलता है पेट्रोल-डीजल के दाम एक बार में न बढ़ाकर धीरे-धीरे बढ़ाए जाएंगे।

पेट्रोल-डीजल को GST के तहत लाया जाए: PHDCC

PHD चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रदीप मुल्तानी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों को त्स्ज्ञ के तहत लाने से बहुत मदद मिलेगी। यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह रोज-रोज कीमतें बढ़ रही है, उस पर लगाम लगाने के लिए अब GST के तहत पेट्रोल-डीजल को लाना होगा।

भारत में कैसे तय होती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें?

जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया। इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी। 19 अक्टूबर 2014 से सरकार ने ये काम भी ऑयल कंपनियों को सौंप दिया। अभी ऑयल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कच्चे तेल की कीमत, एक्सचेंज रेट, टैक्स, पेट्रोल-डीजल के ट्रांसपोर्टेशन का खर्च और बाकी कई चीजों को ध्यान में रखते हुए रोजाना पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करती हैं।

सरकार ने 9 महीने में टैक्स से वसूले 3.31 लाख करोड़:- केंद्र सरकार ने अप्रैल से दिसंबर (2021) तक पेट्रोल-डीजल समेत पेट्रोलियम उत्पादों पर 3.31 लाख करोड़ रुपए टैक्स से वसूले हैं। यह खुलासा एक RTI से हुआ है। एक RTI के जवाब में सरकार ने बताया कि पेट्रोलियम पदार्थों के आयात पर 37,653.14 करोड़ रुपए का सीमा शुल्क वसूला गया।

रूस-भारत व्यापार से बाहर रहेगा रूबल

नई दिल्ली

रूस पर प्रतिबंधों के बाद उसकी मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव बना हुआ है, जिसे मद्देनजर रखते हुए भारत और रूस रूबल को प्रस्तावित रुपया-रूबल कारोबार से बाहर रख सकते हैं। इसके बजाय भुगतान डॉलर के मुकाबले रुपये में किया जा सकता है, जिसे किसी भारतीय बैंक खाते में जमा किया जाएगा। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, रुपया-रूबल व्यापार शायद व्यवहार्य नहीं होगा क्योंकि रूबल में भारी गिरावट आ चुकी है। इसके बजाय व्यापार का मूल्य डॉलर के मुकाबले रुपये में आंका जा सकता है। आरबीआई इस पर भारतीय और रूसी बैंकों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अधिकारी के मुताबिक प्रस्तावित व्यवस्था के तहत जब भारत रूस से वस्तुओं का आयात करेगा तो डॉलर के बराबर राशि किसी भारतीय बैंक के खाते में रुपये में जमा की जा सकती है। जब भारत रूस को माल का निर्यात करेगा तो भारतीय निर्यातकों को उसी खाते से रुपये में भुगतान किया जा सकता है। निर्यातकों ने दावा किया है कि उनका 40 करोड़ डॉलर का भुगतान रुका हआ है। पश्चिमी देशों ने रूस के बहुत से बैंकों की सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनैंशियल टेलीकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) प्रणाली तक पहुंच बंद कर दी है।

एक पूर्व वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारत इन प्रतिबंधों के कारण रूस को हार्ड करेंसी में भुगतान नहीं कर सकता है। वह भारत में किसी खाते में रुपये में भुगतान कर सकता है। उन्होंने कहा, %रूस का हमारे साथ व्यापार अधिशेष है, इसलिए उनके पास भारतीय वस्तुएं खरीदने के लिए पर्याप्त रुपया होगा। इस तरह से कारोबार का निपटान होगा। यह एक तरह का वस्तु विनिमय व्यापार है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले सप्ताह संसद को बताया था कि सरकार रूस के साथ व्यापार में पैदा होती दिक्कतों के कारण भुगतान समेत विभिन्न पहलुओं पर विचार कर रही है।

52 हजार के नीचे आया सोना, चांदी भी 68 हजार के नीचे आई; आने वाले दिनों में और गिर सकती हैं कीमतें

नई दिल्ली

आज यानी 28 मार्च को सोना-चांदी के दाम में गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में सोना 239 रुपए सस्ता होकर 51,653 रुपए पर आ गया है। वायदा बाजार की बात करें तो MCX पर दोपहर 1 बजे सोना 406 रुपए की गिरावट के साथ 51,470 रुपए पर ट्रेड कर रहा था।

68 हजार के नीचे आई चांदी

अगर चांदी की बात करें तो सर्राफा बाजार में ये 909 रुपए सस्ती होकर 67,782 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। MCX पर दोपहर 1 बजे ये 657 रुपए की गिरावट के साथ 68,179 रुपए पर ट्रेड कर रही थी। सोना अभी अपने रिकॉर्ड हाई से काफी सस्ता चल रहा है। पिछले साल अगस्त में इसकी कीमत 56,200 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई थी। यह एक रिकॉर्ड था। अभी ये 51,653 रुपए पर है। यानी ये अपने रिकॉर्ड हाई से 4,547 रुपए प्रति 10 ग्राम कम में मिल रहा है।

सोने में क्यों आ रही गिरावट?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध समाप्त होने के बाद सोने की कीमतों में तेजी से गिरावट आ सकती है। रूस के पास भी सोने का बड़ा भंडार है और वह इसे ग्लोबल मार्केट में बेचना चाहता है। अगर यह सोना बाजार में आता है तो इसकी आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है।

बदले दफ्तर परिसर में काम करने के लिए तैयार कर्मचारी

नई दिल्ली

पिछले साल कोविड-19 का लंबा लॉकडाउन खत्म होने के बाद पैनासॉनिक ने फिर से दफ्तर में लोगों को काम करने के लिए बुलाना शुरू कर दिया। पहले इसने कॉरपोरेट कार्यालय को तीन क्षेत्रों में विभाजित कर दिया था जिसके तहत विभिन्न व्यावसायिक कार्यों के लिए प्रत्येक क्षेत्र को कर्मचारियों के लिए बांटा गया था जिनमें चलने की जगहें, विशेष लिफ्ट, वॉशरूम, पैंट्री सहित अन्य सुविधा शामिल थी। अब कोविड-19 का प्रसार कम हो रहा है, ऐसे में कंपनियां अब घर और दफ्तर से काम करने के मिले-जुले हाइब्रिड मॉडल को अपना रही हैं जिसके तहत कर्मचारी काम के हफ्ते के दौरान कुछ दिन तक दफ्तर में रहेंगे। पैनासॉनिक ने अब इन क्षेत्रों को खत्म कर दिया है और इसके बजाय प्रत्येक कर्मचारी के लिए डेस्क स्पेस बनाने पर ध्यान दिया है। इसने मीटिंग रूम को वर्कस्टेशन में भी बदल दिया है और सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए कर्मचारियों के बैठने वाली जगह को फाइबर ग्लास से बांट दिया है। इसके अलावा कर्मचारी सुरक्षा के लिए कोरोना गार्ड फिल्टर भी लगाए गए हैं।

इस प्रमुख चिप-निर्माता कंपनी ने पूरे कार्यालय के फर्नीचर और वर्कस्टेशनों को एर्गोनॉमिक रूप से फिर से डिजाइन किया है ताकि कर्मचारी बिना किसी असुविधा के कार्यक्षेत्र साझा कर सकें क्योंकि अब एक-तिहाई कर्मचारी किसी भी दिन कार्यालय से काम कर सकते हैं। इसके अलावा, दफ्तर के भीतर अब कई चीजों को टच-फ्री कर दिया गया है जिनमें वॉशरूम नल, वॉटर कूलर और कॉफी की मशीनें शामिल हैं। देश की कंपनियों में अब दफ्तर से काम करना शुरू हो रहा है, ऐसे में नियोक्ता कार्यस्थलों में बदलाव ला रहे हैं और नई अवधारणाओं के लिए नए समाधानों का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। नियोक्ताओं के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि कर्मचारियों को भोजन की पेशकश किस तरह की जाए। यह उन कंपनियों के लिए विशेष रूप से मुश्किल है जो कर्मचारी मुआवजे के तौर पर खाने का कूपन दे रहे हैं। एक समाधान के तहत कर्मचारियों को कूपन का इस्तेमाल करने की अनुमति देना है, भले ही वे हर दिन दफ्तर से बाहर काम न करें। कंपनियों के कर्मचारियों की सहूलियतों और खाने-पीने का इंतजाम करने वाली कंपनी सोडेक्सो बीआरएस इंडिया के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अनीश सरकार का कहना है कि सोडेक्सो ने कंपनियों के परिसरों से अलग कैफेटेरिया शुरू करने की पहल की है। इसने यह सुनिश्चित किया है कि जो कर्मचारी कार्यालय से काम नहीं करते हैं उनके लिए भी कार्यदिवस के दौरान भोजन का इंतजाम किया जाना चाहिए। उबर इंडिया ने दफ्तर आने वाले अपने कर्मचारियों के लिए सैनिटाइज्ड भोजन के पैकेट और पेय पदार्थ देना शुरू कर दिया है। एक प्रमुख समाचार पत्र भी चुनिंदा कर्मचारियों को कोविड से पहले के दौर की तरह ही घर के बने हुए खाने की पेशकश करते हुए काम पर बुलाना शुरू किया है। बेंगलूरु की एक और आईटी कंपनी ने अब तक अपना रूफटॉप कैफे नहीं खोला है जिसके परिसर में अन्य आईटी कंपनियां भी हैं। इंजीनियरिंग कंसल्टेंसी एजिस इंडिया में, ऑफिस कैफे प्रतिबंधों और एक चुनिंदा मेन्यू के साथ काम कर रहा है। कोविड नियमों को सुनिश्चित करते हुए कर्मचारियों के लिए दोपहर के भोजन की अवधि बढ़ा दी गई है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)